**आज की प्रेरणा**

होठों पर मुस्कान हर मुश्किल कार्य को आसान कर देती है।

ओम शांति ....
ब्रह्माकुमारीज

एक नई सोच
# युग प्रदेश
भोपाल, नर्मदापुरम एवं सागर से एक साथ प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रमांक/एम.पी./भोपाल/1027/2022-2024
आर.एन.आई नं. MPHIN/2013/50124

संपादक : भरत अर्जुन मेंघानी | वर्ष : 14 • अंक : 131 | भोपाल, गुरुवार 10 सितंबर 2026 | पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1.50 रुपए | www.yugpradesh.com

# आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री मोहन यादव

## दुबई से लौटते ही CM मोहन यादव सागर पहुंचे, BMC में जहरीली शराब पीड़ितों से मिले; बोले- दोषियों को ऐसी सजा मिलेगी कि याद रखेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को दुबई दौरे से स्वदेश लौटे। भोपाल पहुंचने के बाद वह सीधे सागर रवाना हुए, जहां उन्होंने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचकर जहरीली शराब से प्रभावित मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल स्टाफ को मरीजों के बेहतर उपचार और जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

जहरीली शराब कांड को लेकर मुख्यमंत्री ने सख्त तेवर दिखाते हुए कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आरोपितों के अवैध कब्जों पर भी कार्रवाई की जाएगी। दोषियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी, जिससे भविष्य में कोई ऐसा करने का दुस्साहस न कर सके।

सीएम ने कहा कि जहरीली शराब बेचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने धारा 49 के तहत फांसी की सजा दिलाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में इस तरह के मामलों से निपटने के लिए कठोर कानून नहीं थे।

### लापरवाही और अनियमितता पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर के अवैध शराब मामले की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा है कि आमजन की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस मामले में सभी दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लापरवाही और अनियमितता पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। सभी की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर दिलीप कुमार ने सागर संभाग के आयुक्त पद की कमान संभाल ली है। इस गंभीर मामले में मुख्यमंत्री ने सख्त और निर्णायक प्रशासनिक निर्णय लेते हुए इरशाद वली को सागर पुलिस रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) की जिम्मेदारी सौंपी है।

## मध्यप्रदेश निवेशकों का भरोसेमंद साथी

### वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं

युग प्रदेश संवाददाता | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश की निवेश रणनीति को वैश्विक मंच पर नए विस्तार देने वाला रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा निवेश के साथ तकनीक, बाजार, निर्यात और रोजगार को जोड़कर मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है। एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मध्यप्रदेश को केवल निवेश के गंतव्य के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक कंपनियों और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया। दुबई प्रवास के दौरान लगभग 53 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। यूएई के शीर्ष मंत्रियों, तातारस्तान के नेतृत्व, विश्व बैंक और डीपी वर्ल्ड, क्रिसेंट एंटरप्राइज़, जेम्स एजुकेशन, शराफ ग्रुप, चोइथराम्स, राणा होल्डिंग्स, वीएफएस ग्लोबल और BEEAH जैसी कंपनियों के साथ हुई बैठकों में लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, एआई एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा, शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आधुनिक विनिर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं।

दुबई ने मध्यप्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने, विमानन संपर्क बढ़ाने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में उच्चस्तरीय निवेशक दल के साथ भागीदारी की दिशा में सहमति जताई, वहीं विश्व बैंक ने एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं में सहयोग में रुचि दिखाई। डीपी वर्ल्ड और शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, BEEAH के साथ कचरा प्रबंधन एवं वेस्ट-टू-एनर्जी, GEMS के साथ एजुकेशन और कौशल विकास तथा चोइथराम्स के साथ रिटेल और फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं ने दौरे को ठोस कारोबारी अवसरों से जोड़ा।

**मध्यप्रदेश को मोदी कैबिनेट की बड़ी सौगात**

## 4415 करोड़ से बनेंगे दो नए हाईवे, 5 जिलों को मिलेगा फायदा

युग प्रदेश संवाददाता | भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय कैबिनेट मीटिंग में आयोजित की गई। इस मीटिंग में मध्य प्रदेश के रोड और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़े प्रस्ताव पास किए गए। मीटिंग में मध्य प्रदेश को दो हाईवे की सौगात देने का फैसला लिया गया। केंद्रीय कैबिनेट बैठक में नेशनल हाईवे 347B (NH-347B) के दो अलग हिस्सों को अपग्रेड करने और चौड़ीकरण का फैसला लिया है। इस प्रोजेक्ट की लागत 4415 करोड़ रुपए होगी। प्रोजेक्ट की लंबाई 233.635 किमी होगी जिसमे प्रदेश के कई बड़े जिले शामिल होंगे। कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। बता दें कि, 6 जून को पीएम मोदी का नरसिंहपुर दौरा प्रस्तावित है। मोदी कैबिनेट ने नेशनल हाईवे 347B (NH-347B) के दो अलग-अलग हिस्सों को अपग्रेड और चौड़ा करने का फैसला लिया है। पहला हिस्सा हिवरखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रूढ़ी सेक्शन के 125 किमी पर मौजूद नैरो लेन को दो लेन में अपग्रेड किया जाएगा। दूसरा हिस्सा 108.643 किमी के देशगांव-जुलवानिया सेक्शन है जिसे टू-लेन से फोरलेन किए जाने फैसला लिया गया है। इसके अलावा खरगोन में ट्रैफिक कम करने के लिए 16.20 किमी का ग्रीनफ़ील्ड बाईपास के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। इस प्रोजेक्ट से बैतूल, खंडवा, खरगोन और बड़वानी जिले को बड़ा फायदा मिलेगा।

### पीएम गति शक्ति का हिस्सा है प्रोजेक्ट

रेल मंत्री के अनुसार 347क्(ह ॥-347क्) के दो अलग-अलग हिस्सों को अपग्रेड और चौड़ा करने वाल प्रोजेक्ट पीएम गति शक्ति पहल का हिस्सा है जिसमें एक टेक्सटाइल क्लस्टर, दो मेगा फूड पार्क, एक इंडस्ट्रियल पार्क और दो सुपर थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं। यह खंडवा और बड़वानी जिलों के साथ-साथ बैतूल, खंडवा और खरगोन जैसे आदिवासी जिलों सहित पांच सामाजिक नोड्स को भी जोड़ेगा।

### एमपी आने वाले है प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मध्यप्रदेश के दौरे पर आ सकते हैं। इस बार प्रधानमंत्री का दौरा नरसिंहपुर जिले का प्रस्तावित है, जहां वे गाडरवारा तहसील में सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन विस्तार परियोजना के विस्तार के लिए भूमिपूजन करने आ सकते हैं। सीएम ने प्रधानमंत्री को गाडरवारा आने का न्योता दिया था। पीएम के संभावित दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन का कहना है कि फिलहाल दौरा प्रस्तावित है, आधिकारिक आदेश नहीं आया है।

**मध्यप्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन खत्म**

## स्टाइपेंड बढ़ाकर किया गया 21 हजार 500 लाठीचार्ज पर 2 पुलिसकर्मी लाईन अटैच

- **सरकार के साथ बनी सहमति के बाद मध्यप्रदेश में तीन दिन से चल रहा इंटर्न डॉक्टरों का धरना समाप्त हो गया है। स्टाइपेंड में 50% की बढ़ोतरी के साथ रुपए 21,500 प्रतिमाह करने की घोषणा की गई है।**

युग प्रदेश संवाददाता | भोपाल

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से चल रहा इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन बुधवार को राज्य सरकार के साथ सकारात्मक सहमति बनने के बाद आखिरकार समाप्त हो गया। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड 50 प्रतिशत तक बढ़ाकर अब 21,500 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। इसके साथ ही, हाल ही में हुए प्रदर्शन के दौरान डॉक्टरों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में भी सख्त कदम उठाते हुए दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया गया है। मंत्रालय में संपन्न हुई इस बैठक में इंटर्न डॉक्टरों, जूडा और एमटीए के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। बैठक के बाद जैसे ही सरकार की ओर से मांगें पूरी होने की आधिकारिक घोषणा हुई, कमला पार्क के पास धरने पर बैठे डॉक्टरों में उत्साह की लहर दौड़ गई। डॉक्टरों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए नारेबाजी की और अपना तीन दिन से जारी धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मीडिया को जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विदेश प्रवास पर होने के बावजूद लगातार डॉक्टरों की मांगों की समीक्षा कर रहे थे और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर डॉक्टरों के साथ खड़ी है। सोमवार को हुए प्रदर्शन के दौरान डॉक्टरों पर हुए लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर दो पुलिसकर्मियों को तुरंत प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है। इस पूरी घटना की गहन जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान वॉटर कैनन के इस्तेमाल की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने भी गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। साथ ही, संघर्ष के दौरान घायल हुए सभी डॉक्टरों के समुचित और निःशुल्क इलाज के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

### तीन दिन के आंदोलन से स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा असर

इंटर्न डॉक्टरों की इस हड़ताल का सीधा असर भोपाल के हमीदिया अस्पताल समेत प्रदेश के अन्य प्रमुख सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं पर देखने को मिला। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बुधवार को ओपीडी सेवाएं काफी प्रभावित रहीं। सामान्य दिनों में जहां ओपीडी में करीब 3 हजार मरीज आते हैं, वहीं बुधवार को शुरुआती दो घंटों में बमुश्किल 500 मरीज ही पहुँच सके। इसके अलावा, अस्पतालों में होने वाले सिलेक्टिव ऑपरेशन भी पूरी तरह बाधित रहे।

## ममता बनर्जी उपचुनाव लड़ेंगी?

### नंदीग्राम या रेजीनगर पर बढ़ा सियासी सस्पेंस

एजेंसी | नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इनमें से किसी एक सीट से चुनाव लड़कर विधानसभा में वापसी करेंगी। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा और 16 सितंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के भवानीपुर सीट को रखने के फैसले के बाद खाली हुई है। वहीं रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई। ममता बनर्जी के लिए नंदीग्राम को अपेक्षाकृत सुरक्षित सीट माना जा रहा है। वर्ष 2021 में इसी सीट पर ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के बीच कांटे का मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने 1,956 वोटों से जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, रेजीनगर मुर्शिदाबाद जिले की सीट है और यहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में ममता के यहां से चुनाव लड़ने को अल्पसंख्यक मतदाताओं को राजनीतिक संदेश से जोड़कर देखा जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी उम्मीदवार और चुनाव चिह्न को लेकर खींचतान की चर्चा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ममता बनर्जी किस सीट से मैदान में उतरती हैं या चुनाव से दूरी बनाए रखती हैं।

**लाल किला विस्फोट मामले में बड़ा खुलासा**

## 13 आरोपियों के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला के बाहर हुए कार विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने बुधवार को 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, इस साजिश का मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी था, जिसने कार में बैठकर विस्फोट किया था। जांच में यह भी सामने आया कि हमले से पहले आरोपियों ने लाल किला इलाके की कई बार रेकी की थी।

एनआईए के आरोपपत्र के अनुसार, आरोपियों ने आतंकी साजिश को अंजाम देने के लिए इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साधनों का इस्तेमाल किया। जसीर बिलाल वानी ने रॉकेट आधारित विस्फोटक उपकरण तैयार करने से जुड़ी जानकारी के लिए यूट्यूब और चैटजीपीटी पर खोज की थी। जांच एजेंसी का दावा है कि आरोपियों ने ऐसा उपकरण तैयार भी किया था और बाद में उसके कुछ टूटे हुए हिस्से अनंतनाग के काजीगुंड के जंगल से बरामद किए गए। आरोपपत्र में डॉ. आमिर राशिद मीर, जसीर बिलाल वानी, डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. आदिल अहमद राथर, डॉ. शाहीन सईद समेत कई आरोपियों के नाम शामिल हैं। उमर उन नबी की मौत हो चुकी है, जबकि मुजफ्फर अहमद फरार बताया गया है। बाकी आरोपी जेल में हैं। जांच में आतंकियों द्वारा ड्रोन के इस्तेमाल की तैयारी का भी खुलासा हुआ है।

## कोलकाता में 919 होटल-गेस्ट हाउस बंद करने का नोटिस

### अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कार्रवाई, 960 प्रतिष्ठानों की जांच में सिर्फ 41 मिले नियमों के अनुरूप

एजेंसी | कोलकाता

अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर कोलकाता में 919 होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी रूप से बंद करने के नोटिस जारी किए गए हैं। राज्य अग्निशमन सेवा विभाग, कोलकाता नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने अब तक करीब 960 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें केवल 41 में आवश्यक अग्नि सुरक्षा इंतजाम मानकों के अनुरूप पाए गए। अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि 19 अगस्त को मध्य कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित 'शिखा इन' गेस्ट हाउस में भीषण आग लगने के बाद जांच अभियान तेज किया गया था। इस हादसे में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद शहर के होटल और गेस्ट हाउस में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच शुरू की गई। जिन प्रतिष्ठानों को नोटिस दिया गया है, उन्हें निर्धारित मानकों के मुताबिक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी। इसके बाद अग्नि सुरक्षा नवीनीकरण प्रमाणपत्र हासिल कर नए सिरे से लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा।

### टीएमसी ने किया अदालत का रुख

अधिकारियों के अनुसार शहर में करीब 3,700 होटल और गेस्ट हाउस हैं और जांच अभियान अभी जारी रहेगा। इसी बीच पिछले सप्ताह कैमैक स्ट्रीट स्थित एक व्यावसायिक इमारत के बेसमेंट और छठी-सातवीं मंजिल को तत्काल खाली कराने का आदेश दिया गया था। इसी इमारत में तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी का कार्यालय है। 31 अगस्त के निरीक्षण में इन मंजिलों को आग और जीवन सुरक्षा के लिहाज से असुरक्षित पाया गया था। टीएमसी ने आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अदालत ने तत्काल सुनवाई के लिए रिट याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है।

**विडंबना**

### श्मशान घाट नहीं होने से ग्रामीण हो रहे परेशान, प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

## कढ़ाई में शव रखकर उफनता नाला किया पार, वीडियो वायरल

**मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बारिश के बीच बदहाल व्यवस्थाओं की एक तस्वीर सामने आई है। पहाड़गढ़ जनपद पंचायत के भौरूसिंह का पुरा गांव में एक व्यक्ति की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों को शव अंतिम संस्कार के लिए ले जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी।**

युग प्रदेश संवाददाता | मुरैना

गांव में श्मशान घाट की सुविधा नहीं है और लगातार बारिश के कारण गांव के बाहर जाने वाला नाला उफान पर था। रास्ता पानी में डूबने के बाद ग्रामीणों ने लोहे की बड़ी कढ़ाई में शव रखकर नाला पार कराया। बताया गया कि गांव निवासी हुकुम सिंह परमार का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार के लिए शव को गांव से बाहर ले जाना था, लेकिन बारिश के चलते नाले का जलस्तर बढ़ गया था। सामान्य रास्ता पूरी तरह पानी में डूबने के कारण ग्रामीणों के सामने शव को दूसरी तरफ ले जाने की चुनौती खड़ी हो गई। इसके बाद लोहे की बड़ी कढ़ाई में शव रखकर कई ग्रामीणों ने उसे संभालते हुए उफनता नाला पार कराया। इस दौरान हादसे का खतरा भी बना रहा। घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मामला सामने आने के बाद जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव ने जांच और कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि यदि ग्राम पंचायत में श्मशान घाट का निर्माण नहीं हुआ है या निर्माण में कोई अनियमितता सामने आती है तो जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी और जल्द श्मशान घाट का निर्माण कराया जाएगा।

## मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी रेड

**एजेंसी, बेंगलुरु।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली समेत कुछ अन्य लोगों से जुड़े 18 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी विदेशों में अवैध तरीके से पैसे भेजे जाने से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पैसा कहां से आया और विदेश तक कैसे पहुंचा। ईडी ने कुछ इनपुट के आधार पर सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर एक साथ कई जगहों पर तलाशी शुरू की। इनमें सतीश जारकीहोली और उनकी बेटी से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। टीमों ने दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले। प्रियंका चिक्कोडी लोकसभा सीट से सांसद हैं।

# मुख्य मार्ग पर मिट्टी और धूल के उड़ रहे गुब्बार बन रहे नागरिको के लिए मुसीबत

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

उपनगर का मुख्य मार्ग पूरी तरह से बदहाल हो गया है फिर भी जिम्मेदार विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की नींद नही खुल रही है। बारिश होने पर जहां सड़को के गड्ढे और कीचड़ मुसीबत बन रहे थे वही अब बारिश रुकते ही मार्ग की उखड़ी गिट्टी और सुखी मिट्टी ने परेशानी बड़ा दी है। दिनभर मार्ग से निकलते वाहनों के दौरान धूल के गुब्बार उड़ने से लोगो को परेशानी हो रही है धूल उड़ने से इसका सीधा असर आंखों पर पड़ रहा है साथ ही लोगो को सांस लेने में भी तकलीफ हो रही है।

उपनगर के मुख्य मार्ग के दोनो तरफ से सड़क उखड़ने से धूल,मिट्टी और गिट्टी फैली हुई है जिससे वाहन चालक भी स्लिप हो रहे है। मार्ग के दोनो तरफ बनी दुकानों के दुकानदारो का दुकानों पर बैठना मुश्किल हो रहा है जो दिनभर धूल मिट्टी का सामना कर रहे है जिससे उनके स्वास्थ्य को भी हानि पहुँच रही है 5 किलोमीटर मार्ग की बदहाल स्थिति की और देखने वाले मुँह छुपाकर चल रहे है। ना तो मार्ग से मिट्टी हटाई जा रही है ना ही गड्ढे भरे जा रहे है। लोगो की परेशानी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बड़े वाहन निकलते समय तो धूल का गुब्बार पूरे मार्ग पर फैला हुआ नजर आता है। दो पहिया वाहन चालकों को भी गड्ढो, धूल, मिट्टी की वजह से निकलने में असुविधा हो रही है।

## दिन रात के तापमान में हुई बढ़ोत्तरी से हो रहा गर्मी का अहसास

बीते 3 दिनों से भोपाल में बारिश रुकते ही आसमान से तेज धूप निकल रही है दिन रात के तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी होने से गर्मी और उमस का दौर शुरू हो गया है बुधवार को भी भोपाल में मोसम साफ रहा और धूप निकलने से दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री पहुँच गया वही रात का न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री दर्ज हुआ। 12 सितंबर से फिर मौसम बदल सकता है। और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। प्रदेश में भी इस समय मौसम सामान्य बना हुआ है। भोपाल में बुधवार को सुबह से शाम तक धूप निकली हुई थी।

धूल से दुकानदारों को हो रही परेशानी,वाहन चालक हो रहे स्लिप

# दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 12 से तैयारियां हुई शुरू

- सिंधी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे प्रदेश के सीएम
- सिंधी समाज की समस्याओं और निराकरण पर होगा मंथन

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

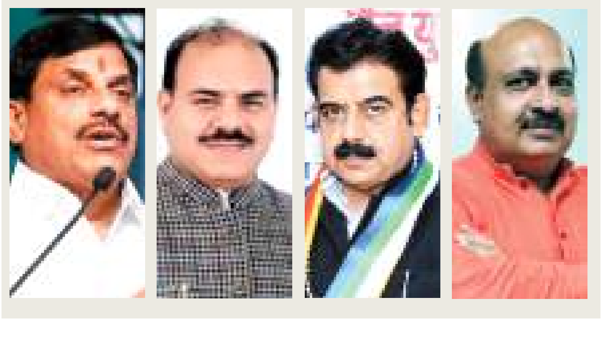

राजधानी में सिंधी समाज के 2 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 12 व 13 सितंबर को होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। सम्मेलन का आयोजन मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा आगामी 12 एवं 13 सितम्बर को दो दिवसीय प्रादेशिक सिंधी सम्मेलन का आयोजन सिंधु भवन ट्रस्ट में आयोजित होगा। सम्मेलन में प्रदेश भर से सैकड़ो की संख्या में सिंधी समाज के प्रतिनिधि, समाजसेवी और सांस्कृतिक हस्तिया शामिल होने के लिए राजधानी पहुँच रही है। प्रादेशिक स्तर पर सिंधी समाज की एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के उद्देश्य से सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सिंधी सम्मेलन कार्यक्रम के संयोजक ईश्वर झामनानी ने सम्मेलन की जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को आमंत्रित किया गया है साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदौर के सांसद शंकर लालवानी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक भगवानदास सबनानी करेंगे वहीं विशेष अतिथि के रूप में जबलपुर के विधायक अशोक रोहानी मौजूद रहेंगे। झामनानी ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज से जुड़ी समस्याओं एवं उनके निराकरण के लिये चिंतन मनन के साथ साथ प्रदेश के प्रबुद्धजन वर्तमान में समाज की दशा व भविष्य की दिशा पर विचार करेंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने बताया कि सम्मेलन के दौरान युवा पीढ़ी को व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा देना इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहेगा। सिंधी समाज की जो वाजिब मांगे है उनको भी उठाया जायेगा और निराकरण की मांग की जाएगी।

# सिंधी कॉलोनी : उज्जैन महाकुंभ की थीम पर बन रहे मन्दिर में विराजमान होंगे गणपत्ति बप्पा

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

राजधानी कबसिंधी कॉलोनी चौराहा स्थित सिंधु मित्र मंडल द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य मंदिर की स्थापना की जा रही है जिसमें विशाल रूप में भगवान गणेश जी की स्थापना की जायेगी। समिति के प्रमुख चेतन बजाज ने बताया कि समिति गणेश उत्सव के 26वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस अवसर पर मंडल द्वारा उज्जैन महाकुंभ 2028 की थीम पर भव्य पंडाल और गणेश प्रतिमा तैयार की जा रही है।

इस आयोजन के जरिए धार्मिक आस्था के साथ-साथ सकारात्मक सामाजिक संदेश देने का भी प्रयास किया जा रहा है। पंडाल को खास तौर पर बंगाली कलाकारों द्वारा तैयार किया जा रहा है, जिसमें उज्जैन महाकुंभ की झलक देखने को मिलेगी। इस वर्ष गणेश प्रतिमा लगभग 18 फीट ऊंची और 36 फीट चौड़ी होगी। प्रतिमा की लागत करीब 3.50 लाख रुपये है जबकि पंडाल और पूरे आयोजन को मिलाकर लगभग 12 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। समिति के उपाध्यक्ष चेतन बजाज ने बताया इस बार हमने ऐसी थीम चुनी है जो लोगों को आकर्षित करने के साथ-साथ उन्हें हमारे धर्म और संस्कृति से जोड़ सके। पंडाल को तैयार करने में बंगाली कलाकार दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि यहां आने वाले हर श्रद्धालु को एक अच्छा अनुभव मिले और गणेश उत्सव के साथ एक सकारात्मक संदेश भी लोगों तक पहुंचे।समिति के अध्यक्ष रवि भुरानी ने कहा गणेश उत्सव हमारे लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को एक साथ जोड़ने का अवसर भी है। पिछले 26 वर्षो से हम इस उत्सव को लगातार मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष उज्जैन महाकुंभ की थीम के माध्यम से हमारी संस्कृति और परंपरा को लोगों के सामने एक अलग और भव्य रूप में रखने का प्रयास किया गया है। गणेश उत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर से होगा। मंडल की ओर से श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान गणेश के दर्शन करने और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की गई है।

# मिलिट्री ऑफिस कैंपस में रूटिंग दौड़ लगा रहे हवलदार की अचानक हार्ट अटैक से हुई मौत

**संतनगर।** उपनगर अंतर्गत बने मिलिट्री ऑफिस कैंपस में मंगलवार की सुबह आर्मी मैन की दौड़ हो रही थी इस दौरान 32 साल के मिंदलाल हवलदार के पद पर कार्यरत हैं वह भी इस दौड़ में शामिल थे जो दौड़ते हुए बीच मैदान में ही गिर पड़े आसपास दौड़ रहे अन्य सहयोगियों ने उन्हें देखा तो वह बेसुध पड़े हुए थे तुरंत इस मामले में बड़े अधिकारियों को सूचना दी गई और तुरंत ही उन्हें बैरागढ़ मिलिट्री अस्पताल में ले जाया गया जहां कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि हवलदार को अचानक साइलेंट अटैक आया था और उनकी मौत हो गई इस मामले में बताया जाता है कि हवलदार को पहले इस प्रकार की कोई भी बीमारी नहीं थी और उनके फिटनेस सर्टिफिकेट नॉर्मल थे फिलहाल पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।

## भजन संध्या का आयोजन

ब्रहमलीन साध्वी द्रौपदी धनवानी दीदी के अवतरण दिवस पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे विश्व प्रसिद्ध कटनी की बालक मंडली के कलाकार गोवर्धन,दिलीप ने भजनों के साथ विशेष कीर्तन का आयोजन किया। देर रात तक मिनी मार्कट स्थित जिस डिठे सब दुख जाए दरबार पर कार्यक्रम सुनने लोग मौजूद थे। रात्रि 12 बजते ही केक काटकर दीदी का जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान सेवाधारियों ने खुशियां मनाते हुए प्रसाद का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजकुमार वाधवानी,पँचायत अध्यक्ष माँधु चाँदवानी,हीरो भाऊ ज्ञानचंदानी,सोनी दीदी,मुरलीधर नेंनवानी,दासु भाई,जयराम,धर्मप्रकाश लालवानी,सुरेश मेंघानी,कन्हैयालाल,हितेश सोनी,राकेश शेवानी,इंद्र भोजवानी सहित अन्य की मौजूदगी में हुआ। सिंधी भजनों पर संगत ने खूब धूम मचाई और नाचते गाते हुए जन्मोत्सव मनाया।

# छात्राओं द्वारा विश्व साक्षरता दिवस पर रैली का किया आयोजन

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

उपनगर में गत दिवस दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने विश्व साक्षरता दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत बैरागढ़ के समीपस्थ स्लम क्षेत्रों में छात्राओं द्वारा साक्षरता रैली निकाली गई जिसमें छात्राओं ने नागरिकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.राखी श्रीवास्तव, विशेष सहयोगी श्रीमती नीता कौल, डॉ मनीषा मिश्रा एवं श्रीमती मीना टेवानी के निर्देशन एवं सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छात्राओं ने उत्साह पूर्वक इसमें सहभागिता देते हुए जागरूकता अभियान चलाया।

# अपर आयुक्त ने जोन 1 में चल रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

नगर निगम अपर आयुक्त अभिषेक सिंह ने संतनगर जोन क्र. 1 के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। अपर आयुक्त सिंह ने कार्यों की समय सीमा के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और प्रचलित कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री एसके राजेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देशो के परिपालन में बुधवार को अपर आयुक्त अभिषेक सिंह ने संतनगर जोन क्र. 1 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यों की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अपर आयुक्त को अवगत कराया गया कि बैरागढ़ कलां एवं आरोग्य केन्द्र पहुंच मार्ग का सड़क निर्माण कार्य सहित अन्य 2 स्थानों पर नाली निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है इसके अलावा गिदवानी पार्क की बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अपर आयुक्त ने सभी प्रचलित निर्माण कार्यों को मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# विद्युत विभाग ने लाईट व्यवस्था को बेहतर बनाने एक साल पुराने तार बदले

**संतनगर।** उपनगर में बिजली की समस्या का समाधान करने के लिए विधुत विभाग निरंतर सुधार कार्य के साथ लोड़ शिफ्टिंग का कार्य कर रहा है इसी के तहत बुधवार को लाईट की कटौती कर पुरानी केबिलो को बदला गया। जेई से मिली जानकारी अनुसार क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए विभाग द्वारा बूढ़ाखेड़ा सब स्टेशन से निकले 11 केवी वन ट्री हिल्स और निर्मल नर्सरी फीडर पर एक साल से ज्यादा समय से पुरानी ख़राब एबी केबील निकाल दी गई है। निर्मल नर्सरी फीडर को तीन स्पेन न्यू कवर्ड कंडक्टर खींचकर बिफरकते किया गया और नया 11 केवी फीडर लक्ष्मण नगर चालू किया जा रहा है। वन ट्री हिल्स फीडर पर तीन मिड स्पान पोल लगाकर 6 स्पान का काम किया गया। दो ठेकेदार के पच्चीस कर्मचारी उक्त काम को अंजाम दे रहे थे। दोनो टीमो ने केबील बदलने का कार्य किया इस दौरान लगभग 7 घण्टे तक कई कालोंनियो की बिजली बन्द रखी गई थी।

## एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

# विद्यार्थी गुरुजनों को जितना सम्मान देंगे उतने ही सफल होंगे : श्रद्धेय सिद्ध भाऊ

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित गांधीनगर के चारों विद्यालयों में शिक्षक सम्मान समारोह श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था सचिव रमेश हिंगोरानी एवं जीव सेवा संस्थान सचिव महेश दयारामानी उपस्थित थे। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में गीत की प्रस्तुति दी तथा बच्चों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में अपने-अपने विचार रखे तथा इस अवसर पर भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी को याद किया जिन्होंनें अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम से किया।

इस अवसर पर श्रद्धेय सिद्ध भाऊ ने कहा कि गुरूजनों के प्रति जितना सम्मान देंगें हम उतने ही सफल होंगें उन्होंनें बताया की पढ़ाई के सिवाय इंसान का कोई मोल नहीं है अनपढ़ व्यक्ति जीवनभर तिरस्कृत होता है। विद्यार्थी का जीवन तपस्या का जीवन होता है कुछ समय की तपस्या करके आप माता-पिता, गुरूजनों का नाम रोशन करेंगें। इसीलिए विद्यार्थी अपना समय व्यर्थ न गवाएं, यदि आज आप समय की कदर करेंगें तो समय आपकी कदर करेगा। मोबाईल से दूरी बनाए अति आवश्यकता होने पर ही उसका उपयोग करें। पढ़ाई के लिए स्वस्थ रहना भी अति आवश्यक है।

संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी ने श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी एवं महेश दयारामानी के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए उनका धन्यवाद किया तथा उन्होंनें बताया कि जीव सेवा संस्थान की तरफ से आज के दिन पर दो स्मार्ट बोर्ड विद्यालय को देने की घोषणा की गई है।

120 शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान श्रद्धेय सिद्ध भाऊ द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं प्राचार्य उपस्थित थे। एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल के संचालक योगेश हिंगोरानी उपस्थित थे।

## शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

# शिक्षक के अंदर वह दिव्य ज्योति व प्रतिभा है जिसकी बदौलत विद्यार्थी हीरा बना सकता है

**युग प्रदेश संवाददाता, संतनगर**

साधु वासवानी स्कूल में उत्साह, उमंग व श्रद्धा के साथ शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने अपने विचार रखते हुए बताया कि शिक्षक सदैव मान-सम्मान के हकदार है अच्छे शिक्षक का परिचय उनके विद्यार्थी स्वयं देते हैं शिक्षक का कार्य बच्चों के साथ देश के प्रति भी हैं।

संतजी के उत्तराधिकारी श्रद्धेय सिद्ध भाउजी ने शिक्षकों को दंडवत प्रणाम करते हुए विद्यार्थियों को से कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है शिक्षा के सिवाय आदमी का कोई मोल नहीं हैं हर विद्यार्थी में आगे बढ़ने का जज्बा होना चाहिए पढ़ाई विद्यार्थियों का ध्येय है और उस ध्येय को पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है इसके लिए अपने खान-पान पर ध्यान दें स्वस्थ रहें और टाईम-टेबिल अवष्य बनाएं साथ ही माता-पिता व गुरुजनों का सदैव सम्मान करें क्योंकि माता-पिता व गुरुजनों का स्थान भगवान से भी बढ़कर है, भाउजी ने बताया कि समय को पकड़कर रखें अवसरों को न जाने दें अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी समस्त शक्तियों को झोंक दें। कार्यक्रम में कर्नल नारायण पारवानी, महेश दयारामानी , वासदेव मोतियानी ने विचार प्रकट किए।

कार्यक्रम में हीरो ज्ञानचंदानी, आइलदास साधवानी, जनक थद्धानी, लखन भागचंदानी, मनोहर वासवानी द्वारा लगभग 100 शिक्षक-शिक्षिकाओं का श्रीफल एवं पुरस्कार देकर सम्मान किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हम दीप शिक्षा के हैं जगमगाएगें प्रस्तुत किया गया।

## ब्रीफ न्यूज

### लाल बस में जेब कतरे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**भोपाल ।** राजधानी की मंगलवारा पुलिस ने इस इलाके की एक लाल बस में एक जेब कट को गिरफ्तार किया है । इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस ने भारत टाकीज ब्रिज पर चेकिंग बिंदु बनाया था । इस दौरान आ रही एक लाल बस की चेकिंग की गई । लाल बस में पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके जेब से एक धारदार छुरी बरामद हुई है । आरोपी आदिल उर्फ वसीम को हिरासत में लिया वसीम काजी कैंप में रहता है और वह बसों में सवार होकर लोगों की जेब काटने का काम करता है पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है ।

### विवाहिता ने जहर खाकर की आत्महत्या

**भोपाल ।** राजधानी के शाहपुरा इलाके के मीरा नगर में रहने वाली एक 40 साल की विवाहिता ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली । इस मामले की जानकारी देते हुए सब इंस्पेक्टर अनीस खान ने हमारे संवाददाता को बताया कि इस इलाके में गोमती कुशवाहा पति जगदीश मीरा नगर में अपने मायके में रह रही थी उसका पति से 5 साल पहले से विवाद चल रहा है पति बजरिया इलाके में रहता है गोमती ने मंगलवार की दोपहर अपने कमरे में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया परिजनों से एम्स अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।

### कॉलेज से घर लौट रही छात्रा के साथ सुनसान रास्ते में अश्लील छेड़छाड़ करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

**भोपाल ।** राजधानी के ईटखेड़ी थाना इलाके में एक कॉलेज छात्रा के साथ सुनसान रास्ते में मनचले युवक द्वारा उसे रोक कर अश्लील छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है । पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ लज्जा भंग करने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है । पुलिस के मुताबिक इस इलाके के बीनापुर क्षेत्र में 21 साल की कॉलेज छात्र रहती है उसने पुलिस थाने पहुंचकर बताया कि आरोपी पंकज बैरागी नाम का युवक उसके मोहल्ले में रहता है और कई दिनों से उसका कॉलेज आते जाते वक्त पीछा किया करता है छात्रा के मुताबिक वह सोमवार की दोपहर 2 अपने कॉलेज से घर पैदल लौट रही थी इस दौरान एक सुनसान इलाके में आरोपी पंकज बैरागी ने उसका रास्ता रोक लिया और फिर उसके साथ जबरदस्ती करते हुए अश्लील छेड़छाड़ कर दिया छात्रा ने जब शोर मचाया तो आरोपी घटनास्थल से धमकी देते हुए फरार हो गया । पुलिस ने इस मामले में पंकज के खिलाफ मामला दर्ज किया है उसकी तलाश तेज कर दी है ।

### शातिर जलसाजों ने व्यवसाई को झांसा देकर यूपीआई के माध्यम से हड़प लिए 3 लाख 88 हजार रुपए

**भोपाल ।** राजधानी के हबीबगंज के अरेरा कॉलोनी में रहने वाले एक व्यवसाई के साथ अज्ञात शातिर जालसाजों ने यूपीआई के माध्यम से 3 लाख 88 हजार रुपए हड़प लिए । इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि ई 2 अरेरा कॉलोनी निवासी सुमित कुमार के मोबाइल पर मंगलवार को अज्ञात व्यक्ति को कॉल आया था जिसने उसे बताया कि यूआई स्मॉल बैंक के माध्यम से उसके खाते से सात बार आइसीआइसीआइ बैंक और एचडीएफसी बैंक में रुपए ट्रांसफर हुए हैं इस फर्जी वाडे में उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी कुछ देर में ही सुमित ने अपना मोबाइल बंद कर दिया परंतु कुछ देर बाद उसके बैंक से मैसेज आया कि उसके अकाउंट से 3 लाख 88 हजार रूपए डिलीट हो चुके हैं पुलिस ने इस मामले में अज्ञात जलसाज के खिलाफ मामला दर्ज किया है उधर कोलार इलाके के दानिश कुंज में रहने वाले 55 साल के संतोष कुमार सेन के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति को कॉल आया था उसने अपने आप को एलआईसी का अधिकारी बताया था और कहा था कि एलआईसी फाइनेंस में अगर वह इन्वेस्टमेंट करता है तो उसे तीन गुना लाभ दिलाया जाएगा इसके लिए वह एक ब्रोशर लिंक के रूप में भेज रहा है संतोष कुमार ने आई हुई उसे लिंक को व्हाट्सएप पर ओपन किया था उसके बाद उसके अकाउंट से 3 सितंबर को 99 हजार रुपए डिलीट हो गए पुलिस ने इस मामले में भी अज्ञात ठग के खिलाफ मामला दर्ज किया है और कार्रवाई शुरू कर दी है ।

# सरकारी फंड रखने के लिए 12 निजी बैंक तय

## वित्त विभाग ने वित्तीय अनुशासन को बनाया आधार

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश में सरकारी निकायों के पास उपलब्ध फंड के बैंक खातों में विनियोजन को लेकर वित्त विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 12 निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंकों को सरकारी निकायों का फंड रखने के लिए अनुमत्य किया गया है। हालांकि, निजी बैंकों का चयन केवल उनके वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया गया है, बल्कि सरकारी खातों के संचालन में वित्तीय अनुशासन और अनियमितताओं को भी प्रमुख आधार बनाया गया है। इस फैसले के बाद प्रदेश के निगम, मंडल, बोर्ड, उपक्रम, विश्वविद्यालय और अन्य सरकारी निकाय वित्त विभाग की अनुमत्य सूची में शामिल इन बैंकों में अपना उपलब्ध फंड रख सकेंगे। वित्त विभाग ने सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों, बजट नियंत्रण अधिकारियों सहित संबंधित सरकारी निकायों को नई सूची भेज दी है। वित्त विभाग ने निजी बैंकों का चयन करते समय सरकारी खातों के संचालन से जुड़ी वित्तीय स्थिति को भी अहम माना है। ऐसे बैंकों को सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिनमें राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर शासकीय खातों के संचालन के दौरान वित्तीय अनियमितता सामने आई हो। यानी सरकारी फंड रखने के लिए बैंक की वित्तीय क्षमता के साथ यह भी देखा गया कि उसके यहां सरकारी खातों का संचालन किस तरह हुआ और वित्तीय अनुशासन का पालन कितना रहा। इससे सरकारी धन के विनियोजन में जोखिम कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इधर, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट की तैयारी भी तेज कर दी है। विभागवार पहली बजट चर्चा 9 सितंबर से शुरू होगी। वित्त विभाग के उप सचिव स्तर के अधिकारी संबंधित विभागों के उप सचिवों के साथ बजट प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे। यह प्रक्रिया करीब एक महीने चलेगी। इस दौरान विभागों के प्रस्तावित खर्च, योजनाओं की जरूरत और बजट प्रावधानों को लेकर प्रारंभिक स्तर पर मंथन होगा। इसके बाद बजट तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

### बैंक बदलने की छूट लेकिन नियम वही

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि नई सूची जारी होने का मतलब यह नहीं है कि सरकारी निकायों को फंड के विनियोजन में मनमानी की छूट मिल गई है। 27 मार्च 2025 को जारी मार्गदर्शी निर्देशों में सरकारी कोष को बैंकों में रखने और उसके विनियोजन के लिए जो नियम तय किए गए थे, वे पहले की तरह लागू रहेंगे। नई सूची सिर्फ वित्तीय वर्ष 2025-26 के उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के आधार पर अपडेट की गई है। विभाग के निर्देशों के अनुसार निजी बैंकों की सूची प्रत्येक वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद उपलब्ध प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर सामान्यत: अगस्त में अपडेट की जाती है।

### हर साल अगस्त में अपडेट होगी सूची

वित्त विभाग के मुताबिक निजी बैंकों की अनुमत्य सूची स्थायी नहीं है। वित्तीय प्रदर्शन और उपलब्ध प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर इसे हर वित्तीय वर्ष के बाद अपडेट किया जाएगा। इसलिए चालू वित्तीय वर्ष में शामिल बैंक अगले वर्ष की सूची में बने रहें, यह जरूरी नहीं है।

### ये 12 बैंक सूची में

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, सिटी यूनियन बैंक, जना स्मॉल फाइनेंस बैंक, करूर वैश्य बैंक, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक और इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक को अनुमत्य किया है।

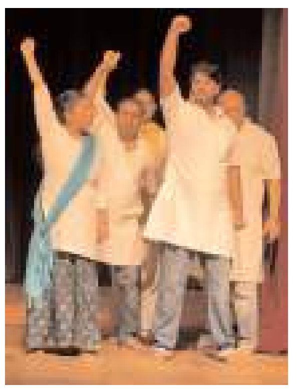

### अधूरे प्रेम और बदलते जीवन की कहानी बनी 'सतह पर तैरती उदासी'

**भोपाल।** टैगोर नाट्य महोत्सव के अंतिम दिन रवीन्द्र भवन में कथाकार संतोष चौबे की चर्चित कहानी 'सतह पर तैरती उदासी' का प्रभावशाली नाट्य मंचन किया गया। प्रख्यात रंग निर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर के निर्देशन में हुई इस प्रस्तुति को दिल्ली के 'संभव' समूह ने मंच पर साकार किया। इस दौरान सुप्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर पर केंद्रित पुस्तक 'रंगलोक का महानायक' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका एवं रंगकर्मी नगीन तनवीर, अभिनेता एवं निर्देशक डॉ. जॉन बशीर और विनय उपाध्याय भी मौजूद रहे। कहानी रिश्तों की विडंबना को सामने लाती है, जहां कुछ संबंधों की नियति ही शायद कहीं न पहुंच पाना होती है। नाटक के केंद्र में पति-पत्नी और पत्नी की एक मित्र–तीन प्रमुख पात्र हैं। पति-पत्नी के बीच एक सहज और अच्छा संबंध होने के बावजूद पति का अपनी पत्नी की मित्र के प्रति आकर्षित होना कहानी को एक जटिल भावनात्मक मोड़ देता है।

# तीन दिन में शहर के विभिन्न इलाकों से लापता हुई एक दर्जन से अधिक छात्राएं

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में बड़ी तादाद में किशोरियों और युवतियों के अपने घरों स्कूल कॉलेज से लापता होने के मामले सामने आ रहे हैं । शहर में इस बीच आधा दर्जन के करीब 15 से 16 साल की किशोरिया के भी लापता होने का मामला थाने में दर्ज हुआ है गांधीनगर इलाके से राजेश कुमार की कक्षा 10 में पढ़ने वाली 14 साल की स्मिता लोधी के लापता होने का मामला दर्ज हुआ है स्मिता मंगलवार की सुबह घर से स्कूल जाने का कह कर निकली थी फिर वापस नहीं लौटी । उधर पीरगेट इलाके के कुम्हरपुरा क्षेत्र से 12वीं कक्षा की छात्रा मुस्कान सेन आनंद नगर से दसवीं की छात्रा निशा मौर्य पिता वीरेंद्र और अयोध्या नगर इलाके के सागर कॉलेज से फर्स्ट ईयर की छात्रा काजल बरॉर के लापता होने का मामला थाने में दर्ज हुआ है । उधर बेरसिया इलाके से 20 साल की वंदना कुशवाहा निवासी वार्ड 17 और करौंद इलाके के मुरली नगर से बीए प्रथम वर्ष में पढ़ने वाली पूजा अहिरवार भी सोमवार की सुबह कॉलेज का कह कर निकली थी फिर देर शाम तक घर वापस नहीं पहुंची उधर बजरिया इलाके के राजीव नगर से राजेंद्र शाक्य की 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली तनुजा, करौंद इलाके के मुरली नगर क्षेत्र से नवी कक्षा की छात्रा सना अली पिता नजफत अली के भी लापता होने का मामला थाने में दर्ज हुआ है उधर रविवार को साकेत नगर के हाई स्कूल से नेवमी की छात्रा लक्ष्मी पिता अर्जुन प्रसाद भी कहीं चली गई । पुलिस ने इन सभी गुमशुदगी के मामलों में 363 का मामला दर्ज किया है और इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

### इंस्टाग्राम पर किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया था शातिर, पुलिस ने यूपी के बरेली से किया बरामद

**भोपाल ।** राजधानी में लगातार सामने आ रहे किशोरियों और युवतियों के लापता गुमशुदगी के मामलों में भोपाल की निशातपुरा पुलिस ने अपने इलाके से कुछ दिनों पूर्व गायब हुई नाबालिक किशोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश की बरेली जिले में पहुंचकर किशोरी को बरामद किया है । इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी मनोज पटवा ने हमारे संवाददाता को बताया कि पुलिस ने तकनीकी साक्षया और मोबाइल के आधार पर बरेली पहुंची और वहां से मोहम्मद आसिफ को हिरासत में लिया और उसके घर से 15 साल की किशोरी को बरामद किया किशोरी करौंद इलाके में कक्षा दसवीं में पढ़ाई करती है उसने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर उसकी 3 महीने पूर्व आसिफ से मित्रता हुई थी आसिफ ने उसे सोशल मीडिया पर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और वह भोपाल आ गया और अपने साथ बहला फुसलाकर बरेली ले गया पुलिस ने आरोपी आसिफ के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश कर जेल भेज दिया । इधर भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने मनोज पटवा और उनकी टीम को 5 हजार रूपए नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

### कार सवार बदमाशों ने किसान को लाठी डंडों से अधमरा कर हुए फरार

**भोपाल ।** राजधानी के नजीराबाद इलाके के रतनपुर स्थित ग्राम रोहना के पास कार सवार चार बदमाशों ने इलाके के किसान के साथ जमकर मारपीट कर बेहोशी अवस्था में छोड़कर फरार हो गए । इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी शाहाबाज खान ने बताया कि ग्राम रुहाना में रहने वाले 55 साल के इंदर सिंह गुर्जर खेती किसानी का काम करते हैं । बाइक से वह बुधवार सुबह काम से जा रहे थे जब वह रतनपुर रोड पर पहुंचे इस दौरान सुनसान इलाके में चार बदमाशों ने उन्हे रोक लिया और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे इंदर सिंह ने विरोध किया तो बदमाशों ने कार से रॉड लाठी डंडे निकालकर उन पर टूट पड़े हमले में इंद्र सिंह के हाथ पैर और सर में गंभीर चोटें आई हैं ।

### प्रतिभा सम्मान समारोह में नमन भार्गव सम्मानित

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

श्री भृगु भार्गव ब्राह्मण समाज द्वारा परिसर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में श्री नमन भार्गव को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2026 की दसवीं परीक्षा में 96.6 प्रतिशत अंक हासिल करने के फल स्वरुप सम्मानित किया गया।

चिरंजीव नमन सागर पब्लिक स्कूल के छात्र तथा दीपक नगर निवासी अशोक भार्गव के पौत्र तथा श्री तरुण भार्गव के सुपुत्र हैं। भोपाल स्थित परशुराम मंदिर परिसर में आयोजित भव्य समारोह में नगर की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष श्री विष्णु राजौरिया, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, गुफा मंदिर के महामंडलेश्वर वेद मूर्ति, श्री भृगु भार्गव ब्राह्मण समाज के महासचिव डॉ.अनिल भार्गव (वायु), प्रशासनिक अधिकारी गण गण्यमान नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

### गर्लफ्रेंड की बेवफाई से नाराज युवक ने मिसरोद की एक कॉलोनी में मचाया हंगामा, कई कारों को मारी टक्कर, वीडियो हुआ वायरल

**भोपाल ।** राजधानी के सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक थार चालक अपनी कार को तेजी से भागते हुए कॉलोनी में घुसकर कई कारों को टक्कर मारता हुआ दिखाई दे रहा है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने हमारे संवाददाता को बताया कि एक वीडियो सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है उसमें एक युवक इस इलाके की फॉर्चून हेरिटेज कॉलोनी में अपनी कार लेकर गेट तोड़कर अंदर घुसता है और कई कारों को क्षतिग्रस्त कर दिया लोगों ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक मंगलवार की रात 10:30 बजे कॉलोनी के बाहर कार तेजी से घूमता रहा कॉलोनी के गार्ड ने गेट बंद कर दिया जिसे तोड़ता हुआ वह अपनी कार अंदर ले आया और पोर्च में खड़ी कई कारों को क्षतिग्रस्त कर दिया। वह तो गनीमत रही की लोग सड़क से हट गए वरना जनहानि की होने की संभावना थी कुछ लोगों ने बताया कि इस कॉलोनी में रहने वाली एक युवती से युवक की का प्रेम प्रसंग चल रहा था और ब्रेकअप के चलते गुस्से में आकर प्रेमिका की बेवफाई के चलते उसने यह घटना को अंजाम दिया है बुधवार की दोपहर सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

## एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह 20026 किया गया। समारोह में खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशिक्षकों, खेल प्रशासकों, खेल विशेषज्ञों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद, ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी, डॉ. श्वेता चौकसे, प्रो-चांसलर, एलएनसीटी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, प्रो. नरेंद्र कुमार थापक, वाइस चांसलर, एलएनसीटी विश्वविद्यालय, डॉ. डी.के. सतपथी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, डॉ. ए.के. सिंघई, डीन एकेडमिक, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, डॉ. ए.के. चौधरी, मेडिकल डायरेक्टर, डायरेक्टर, एलएनसीटी ग्रुप उपस्थित रहे। सम्मानित प्रशिक्षकों एवं खेल विशेषज्ञों में अशोक कोंडाजी दुधारे, सुशील सिंह ठाकुर, प्रो. अजय पाल, सी.एस. धाकड़, प्रदीप रावत, प्रो. सी.पी. भाटी, अबरार अहमद शेख, अनूप सिंह, श्री धर्मेश यशलहा, संध्या मेहरा, मनीषा हुड्डा, साजिद नूर, अजय श्रीवास्तव, वर्षा पटेल, मनिंदर सिंह, विनोद पांडे, विष्णु कांत सहाय जितेश पवार शामिल रहे। सम्मानित खिलाड़ियों में सौम्या तिवारी (क्रिकेट), खुशी दाभाड़े (फेंसिंग), उदित पटेल (कुश्ती), भूमि बघेल (कैनो स्लालम), मनीषा डांगी (रोइंग), निहारिका सिंह (कयाकिंग एवं कैनोइंग), संजू सिंह राजपूत एवं अनुष्का बनवार (हॉकी), वरिधि दुबे (बॉक्सिंग), प्रार्थना भुई (नौकायन), अस्त्री भारती, सौम्या नाहर (खो-खो), अर्बिश मकरानी (पेंचक सिलाट), रेनू एवं प्रिया ठाकुर (जू-जित्सु), हिमांशु घुसर (आर्म रेसलिंग), कृष्णकांत पटेल, हर्षित जैन एवं सिद्धांत कुशवाहा (फ्रंटबॉल), अनुराग मीणा (जू-जित्सु), अंशुजॉय दास एवं सौरभ कुमार गिरी (कराटे), रोहित सिंह चौहान (आर्म रेसलिंग), मयूरी बुवाड़े एवं अरमान गुप्ता (फ्रंटबॉल), करिश्मा बोहरे (आइस स्टॉक), सिपत सिंह, तन्मय (रग्बी), दिव्या मिश्रा एवं आदेश खंडा (ड्रैगन बोट रेसिंग) शामिल रहे।

## अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक जनसमस्या का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े विषयों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आमजन की जनसमस्याओं का समाधान और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

## महाप्रबंधक ने भोपाल मंडल के दो रेलकर्मियों को 'उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार' से किया सम्मानित

युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल

रेल परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ड्यूटी के दौरान असाधारण सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाले रेलकर्मियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में अगस्त 2026 माह के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के दो सजग रेलकर्मियों को पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह द्वारा उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार÷(Outstanding Safety Awareness Award) से सम्मानित किया गया। अगस्त माह के लिए भोपाल मंडल से सम्मानित रेलकर्मियों में– दुर्गा प्रसाद, टेक्नीशियन-I, सी एंड डब्ल्यू/इटारसी सुनिक कुमार, पॉइंट्समैन, ओबेदुल्लागंज शामिल हैं। इन रेलकर्मियों ने अपनी ड्यूटी के दौरान हॉट एक्सल, वैगन में टूटे फ्लोर पेंच एवं चिंगारी, ब्रेक वेन के टूटे सेंटर पिवेट गाइड तथा रेल वेल्ड फेलियर जैसी गंभीर तकनीकी खामियों को समय रहते पहचानकर आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की। उनकी सजगता और त्वरित कार्रवाई से संभावित दुर्घटना को टालने तथा रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखने में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

### रेलवे के तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंत्रिमंडल की मंजूरी, 656 किलोमीटर बढ़ेगा रेल नेटवर्क

**भोपाल।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। लगभग ?10,783 करोड़ की लागत वाली इन परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में भारतीय रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी तथा मौजूदा रेल नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। स्वीकृत परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उस्लापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इन परियोजनाओं को वर्ष 2029-30 तक पूरा करने की योजना है। इन मल्टीट्रैकिंग कार्यों से रेलमार्गों की क्षमता बढ़ने के साथ ट्रेनों के संचालन में सुगमता, परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता बेहतर होगी। व्यस्त रेलखंडों पर दबाव कम होने से यात्री एवं मालगाड़ियों की आवाजाही को भी अधिक सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई हैं, जिससे विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर समन्वय और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। इन तीनों परियोजनाओं से लगभग 4,790 गांवों की रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी कुल आबादी करीब 56 लाख है। मध्य प्रदेश में कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन से रेल क्षमता बढ़ने के साथ क्षेत्रीय आवागमन तथा माल परिवहन को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। क्षमता विस्तार से कोयला, सीमेंट, लौह एवं इस्पात सहित प्रमुख वस्तुओं के रेल परिवहन में वृद्धि होगी। परियोजनाओं से लगभग 27 मिलियन टन प्रतिवर्ष अतिरिक्त माल यातायात की क्षमता सृजित होने का अनुमान है। इन परियोजनाओं से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, अमरकंटक, विराटेश्वर मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, रतनपुर महामाया मंदिर सहित अनेक प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी को भी लाभ मिलेगा।

### केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

**भोपाल।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की कुल 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं : खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी लाइन। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टीमॉडल-कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

### नाम परिवर्तन

मैं, लिजी के एस पत्नी श्री वरूण मोहन आयु–वयस्क, निवासी–प्लाट न. 46, राज नगर कॉलोनी, फेस–02, पलासी, एम.आई नगर, करोंद, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र. पिन 462038 (आधार नम्बर–5126 9602 5285) की होकर सत्यनिष्ठ पूर्वक कथन करती हूँ कि :–

यह कि मैं ऊपर वर्णित पते पर निवास करती हूँ।

यह कि पासपोर्ट क्रमांक–M2435960 में मेरा नाम **LIJI VARUN MOHAN** दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार नुम्बर–5126 9602 5285 व अन्य सभी दस्तावेज में मेरा नाम **LIJI K S** दर्ज है।

यह कि मेरा वास्तविक नाम **LIJI K S** है जिसे पासपोर्ट में संशोधन कर अंकित करवाना चाहती हूँ जो कि पूर्णत: सही व सत्य है।

## संपादकीय

# राजमार्गों पर एंबुलेंस की व्यवस्था एक अच्छा कदम, मिलेगा समय पर इलाज और सुरक्षा

यह एक अच्छी खबर है कि राजमार्गों पर एंबुलेंस की व्यवस्था की जारही है। इससे वहां पर होने वाली दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर इलाज और सुरक्षा मिलेगी। यह बात सच हैकि सड़क दुर्घटनाओं के बाद का पहला घंटा (गोल्डन ऑवर) घायल की जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। राजमार्गों पर एंबुलेंस की तैनाती से घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार मिलना संभव हो पाता है। आधुनिक तकनीकों और जीपीएस से लैस एंबुलेंस की वजह से दुर्घटना स्थल की पहचान तेजी से होती है, जिससे सहायता पहुंचने का समय काफी घट गया है।

यह राहतकारी है कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राजमार्गों पर स्थित हर टोल प्लाजा पर एक एंबुलेंस तैनात करने की लंबे समय से प्रस्तावित अपनी योजना को अमल में लाने जा रहा है। इस योजना के तहत सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राज्यों को एंबुलेंस उपलब्ध कराएगा। वह उनके संचालन का खर्च उठाएगा, लेकिन राज्यों को भी इन एंबुलेंस को हेल्पलाइन से जोड़ने का काम करना होगा। इसमें राज्यों को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए, लेकिन बात तब बनेगी, जब ये एंबुलेंस लगातार गश्त करेंगी और वे सूचना-संचार के सभी आधुनिक उपकरणों से भी लैस होंगी।

स्पष्ट है कि इस योजना की सफलता बहुत कुछ राज्यों और विशेष रूप से उनकी पुलिस के सहयोग पर निर्भर करेगी। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को हर टोल प्लाजा पर एंबुलेंस तैनात करने की अपनी योजना को सही ढंग से क्रियान्वित करने के साथ ही राज्यों से मिलकर ऐसे उपाय भी करने होंगे, जिससे दुर्घटना की नौबत ही न आए या उन पर प्रभावी अंकुश लगे।

ऐसे उपायों पर प्राथमिकता से ध्यान देना इसलिए अनिवार्य है, क्योंकि तमाम घोषणाओं और चिंताओं के बाद भी मार्ग दुर्घटनाओं एवं उनमें हताहत होने वालों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि भारत में अन्य देशों के मुकाबले कहीं अधिक लोग मार्ग दुघटनाओं में अपनी जान गंवा रहे हैं। यह तब है, जब इन देशों की तुलना में भारत में वाहनों की संख्या कहीं कम है।

मार्ग दुर्घटनाओं का कारण उपयुक्त डिजाइन वाले राजमार्गों का निर्माण न किए जाने के साथ ही उनकी समुचित देखभाल भी न किया जाना है। एक समस्या यह है कि राजमार्गों पर कहीं भी कट बना दिए जाते हैं। इसी तरह यात्री वाहन कहीं पर भी सवारियां उतारने या बैठाने लग जाते हैं। अपने देश में राजमार्गों पर अतिक्रमण के साथ यातायात नियमों की अनदेखी भी आम है। वास्तव में मार्ग दुर्घटनाओं पर लगाम तब लगेगी, जब सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के साथ राज्य सरकारें भी सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देंगी। इसी के साथ वाहन चालकों को भी जागरूक करना होगा। यह समझा जाना चाहिए कि लापरवाह वाहन चालकों को केवल मामूली जुमार्ने के जरिये नियंत्रित करना कठिन है। अच्छा हो कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राज्य सरकारों के साथ मिलकर कोई ऐसा साझा तंत्र बनाए, जो राजमार्गों में आवागमन को सुरक्षित कर सके। राज्य सरकारों को इसकी भी फिक्र करनी होगी कि उसके अपने मार्गों पर भी दुर्घटनाएं थमें।

**– भरत अर्जुन मेंघानी**

## चिंतन-मनन

# सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे। इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाप एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

## राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, चर्तुदर्शी, गुरुवार, मघा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, शशि करणे, सिंह की चंद्रमा, श्राद्ध अमावस्या, मूल समाप्त दिन के 2/34 या 26/04 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

### आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, रोगी-भोगी, धनीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक होगा।

**मेष राशि :** अधिकारियों के तनाव से बचकर चलें तथा अपना कार्य पूर्ण करें, निश्चय लाभ होगा।

**वृष राशि :** इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, हर्ष-उल्लास का अवसर हाथ से न जाने दें सतर्कता अवश्य रखें।

**मिथुन राशि :** मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य-कुशलता से संतोष होगा तथा व्यवसायिक गति उत्तम होगी।

**कर्क राशि :** कुटुम्ब की समस्यायें सुलझें तथा कार्य-व्यवस्था अनुकूल होगी, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

**सिंह राशि :** शुभ सूचना से हर्ष-उल्लास रहे, दैनिक-कार्यगति अनुकूल होगी, रुके कार्य बना लें।

**कन्या राशि :** विरोधी तत्वों से चिन्ता बनी रहेगी, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

**तुला राशि :** आर्थिक योजना सफल हो, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे किन्तु समय का ध्यान अवश्य रखें।

**वृश्चिक राशि :** मान-प्रतिष्ठा पर आंच आने का भय, कार्यगति में बाधा आयेगी, कष्ट से बचें।

**धनु राशि :** पराक्रम, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार अवश्य होगा।

**मकर राशि :** सामर्थ्य रखने के लिये धैर्य से कार्य करें, स्वभाव में क्रोध तथा आवेग से हानि होगी।

**कुंभ राशि :** दैनिक कार्यगति अनुकूल होगी, इष्ट-मित्र सहायक बने ही रहेंगे, समय का ध्यान रखें।

**मीन राशि :** विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, अर्थ-व्यवस्था में बाधा तथा कार्य-अवरोध अवश्य होगा।

**पीएल गौतमाचार्य // मोनिका**

# हनीट्रेप के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है आइएसआई

**लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल**

पड़ोसी दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए भारतीय सुरक्षा बलों और रक्षा संस्थानों के अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारियां जुटा रही हैं। सीमा पार से जारी छद्म युद्ध अब केवल गोलियों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल स्पेस और मानव मन के सूक्ष्म पहलुओं तक फैल चुका है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए अब एक नए और अत्यंत खतरनाक हथियार प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा संचालित डिजिटल हनी-ट्रैप का इस्तेमाल कर रही है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय रही हैं। समय के साथ उसके तौर-तरीके भी बदल रहे हैं। पहले जासूसी के लिए धन, लालच, दबाव और धमकी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल अधिक होता था लेकिन आईएसआई अब संवेदनशील पदों पर बैठे अधिकारियों की पहचान कर उनकी मानसिक और भावनात्मक कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए प्रशिक्षित लोगों की सहायता ले रही है। महिलाओं के नाम से फर्जी सोशल मीडिया खाते बनाकर पहले संपर्क स्थापित किया जाता है और धीरे-धीरे भरोसे का रिश्ता तैयार किया जाता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस नए जाल में सीधे पैसे का लालच देना जरूरी नहीं रह गया है। किसी अधिकारी की निजी परेशानी, अकेलापन, वैवाहिक तनाव, कार्यस्थल की नाराजगी या भावनात्मक असंतोष को हथियार बनाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर अपनी निराशा, तनाव या निजी समस्याओं को लगातार साझा करता है तो वह अनजाने में अपने बारे में ऐसी सूचनाएं सार्वजनिक कर देता है, जिनका इस्तेमाल उसे प्रभावित करने में किया जा सकता है। कभी किसी एप्लिकेशन को मोबाइल या कंप्यूटर में इंस्टॉल करने को कहा जाता है। संदिग्ध ऐप और सॉफ्टवेयर इस जासूसी तंत्र का दूसरा बड़ा हथियार हैं। भारत में पहले भी रक्षा और संवेदनशील संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों के हनी ट्रैप में फंसने के आरोप सामने आते रहे हैं। डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर से जुड़ा मामला विशेष रूप से चर्चा में रहा था। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव द्वारा रचे गए ऐसे ही एक डिजिटल हनी ट्रैप जाल में गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हनी ट्रैप और जासूसी का नया तरीकाफर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइलः दुश्मन देश के हैंडलर्स महिलाओं या आकर्षक नामों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों से दोस्ती करते हैं। बातचीत, चैट और वीडियो कॉल के जरिए पहले विश्वास जीता जाता है, फिर निजी पलों या तस्वीरों के बहाने ब्लैकमेल या प्रलोभन का खेल शुरू होता है।जासूसी के मामलों में कई बार अधिकारियों के फोन में रिमोट एक्सेस मैलवेयर या स्पाईवेयर तक इंस्टॉल करवाने की कोशिश की जाती है ताकि गुप्त डेटा स्वतः ट्रांसफर होता रहे। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

दिल्ली पुलिस ने भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित पाकिस्तानी हनी ट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। वायुसेना से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिए हुई एक कथित दोस्ती से हुई। एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विंग कमांडर से संपर्क किया। बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों के बीच चैट और वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क होने लगा। जांच एजेंसियों का आरोप है कि महिला ने धीरे-धीरे अधिकारी का विश्वास हासिल किया और इसके बाद उससे सैन्य गतिविधियों तथा रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मांगनी शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस को यह मामला भारतीय वायुसेना की खुफिया शाखा से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर सामने आया। पुलिस ने विंग कमांडर को 30 मई की रात गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, डिजिटल बातचीत और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल की गई। पुलिस ने 7 जुलाई को जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया है। भारतीय सेना, रक्षा अनुसंधान संगठन और संवेदनशील सरकारी विभागों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई. एस. आई. द्वारा हनी ट्रैप के हथकंडे का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

इसके लिए पाकिस्तानी महिला एजैंट भारतीय सेना के चंद अधिकारियों तथा आम लोगों को बोगस नामों से वीडियो काल करके अश्लील हरकतों द्वारा उन्हें भी ऐसा ही करने के लिए उकसाती हैं और सोशल मीडिया के जरिए उनके रूप जाल में फंस कर ये लोग भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां उन्हें देकर देश से गद्दारी कर रहे हैं जिनकी इसी वर्ष कई मामले सामने आए हैं 4 जनवरी को अम्बाला (हरियाणा) में हनी ट्रैप का शिकार होकर भारतीय सेना की यूनिटों की लोकेशन, मूवमैंट और तैनाती से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान भेजने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल से व्हाट्सएप चैट व वायस काल से जुड़े महत्वपूर्ण प्रमाण मिले।11 मार्च को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में स्वयं को कीर्ति कुमारी बताने वाली एक पाकिस्तानी महिला एजेंट द्वारा हनी ट्रैप में फंसाए गए भारतीय वायुसेना के लांस नायक आदर्श कुमार उर्फ लक्की को युद्धपोत आई. एन. एस. विक्रांत तथा आई. एन. एस. इक्षक की फोटो व अन्य जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इससे पूर्व इसी पाकिस्तानी एजेंट ने गोवा में नौसेना के शिपयार्ड पर पार्ट टाइम नौकरी करने वाले राम सिंह को अपने रूप जाल में फंसाकर उससे शिपयार्ड पर आने वाले युद्धपोतों के फोटो व अन्य जानकारियां प्राप्त की थीं।

22 मार्च को चाबुआ (असम) में हनी ट्रैप में फंसे भारतीय वायुसेना स्टेशन के मल्टी-टास्कर्स स्टाफ के सदस्य सुमित कुमार को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और संवेदनशील रक्षा जानकारी सांझा करने के आरोप में राजस्थान इंटेलीजेंस और वायुसेना इंटैलीजैंस ने मिलकर गिरफ्तार किया।पाकिस्तानी हैंडलर्स ने सुमित कुमार को हनी ट्रैप में फंसा कर और पैसों का लालच देकर सुखोई फाइटर जैट्स, मिसाइल सिस्टम और सैन्य ठिकानों की संवेदनशील लोकेशनों की जानकारी पाने के लिए इस्तेमाल किया था। 1 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा सेना के एक संयुक्त अभियान के दौरान जम्मू जिले के सतवारी इलाके से एक युवक को पाकिस्तान की एक महिला एजेंट को प्रतिरक्षा संस्थानों के फोटो सांझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार उसे एक महिला ने स्वयं को सुंदरबनी में तैनात बी.एस.एफ. की कर्मचारी बता कर अपने जाल में फंसाया। जांच में पुष्टि हुई कि उक्त युवक ने चंद रुपयों के बदले में उसे फोटो भेजे थे।

## राष्ट्रीय पोषण माह शुरू, कुछ जरूरी सवाल

# हमारी आंगनवाड़ी-हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी?

**लेखक सुनील कुमार गुप्ता**

देश में नौवां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो गया है। इस साल यानी 2026 की थीम है 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी'। थीम बहुत आकर्षक है। इस बार भी पूरे महीने पोषण को लेकर हंसते खिल-खिलाते बच्चों-महिलाओं के पोस्टर लगेंगे। पोषण मेले लगेंगे, आंगनबाड़ी सजेंगी, रैलियां होंगी, पोषण के सहज उपलब्ध स्थानीय खाद्य पदार्थों और प्रोटीन पर चर्चा होगी, लेकिन इसके साथ एक असुविधाजनक सवाल भी पूछा जाना चाहिए, पहला- हमारी आंगनवाड़ी-हमारी जिम्मेदारी है, तो जवाबदेही किसकी है? दूसरा- क्या पोषण का काम केवल 'अभियान' है या रोज का सार्वजनिक काम? आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी है तो उन महिलाओं यानी आंगनवाड़ी या आशा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी किसकी है, जो गांव-गांव जाकर इस पूरी व्यवस्था को चलाती हैं और जिन्हें कई बार महीनों मानदेय नहीं मिलता और मजबूरन काम छोड़ आंदोलन के लिए सड़क पर उतरना पड़ता है? इस साल सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों में साप्ताहिक मेन्यू में विविधता, स्थानीय खाद्य पदार्थों, दालों, अनाज, मिलेट, मौसमी सब्जियों आदि पर जोर दिया है। सामुदायिक स्वाद-परीक्षण और भोजन की गुणवत्ता पर निगरानी की भी बात है। यह महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है, लेकिन इसके साथ ही सवाल है—क्या एक महीने की गतिविधियों से पोषण सुधरेगा, या इसके लिए पूरे साल काम करने वाली मजबूत स्थानीय व्यवस्था चाहिए? मेरी नजर में कुपोषण किसी कैलेंडर का कार्यक्रम नहीं हो सकता। बच्चे को इस पोषण माह में यानी सितंबर में ही प्रोटीन की जरूरत नहीं होती। गर्भवती महिला को केवल पोषण माह में ही आयरन और उचित आहार की जरूरत नहीं होती। छह महीने के बच्चे को केवल अभियान के दौरान ही पूरक आहार की जानकारी नहीं चाहिए। समझने की बात है कि यह हर रोज, हर महीने की ज़रूरत है। इस साल यानी 2026 की थीम तो बहुत ही बढ़िया है, लेकिन यह सवाल तो बनता है कि 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी', लेकिन जवाबदेही किसकी? वास्तव में अगर आप देखें तो इस वर्ष की थीम का सबसे महत्वपूर्ण शब्द शायद हमारी है।

सरकार चाहती है कि समुदाय आंगनवाड़ी को अपना माने। नए दिशानिर्देशों के तहत आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों को मजबूत करने, मेन्यू बोर्ड प्रदर्शित करने और समुदाय को भोजन एवं सेवाओं की निगरानी से जोड़ने पर जोर दिया गया है। पोषण माह के दौरान हर आंगनवाड़ी में कम-से-कम एक समिति बैठक का लक्ष्य रखा गया है। यह स्वागतयोग्य है, मगर सामुदायिक जिम्मेदारी को सरकारी जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। समुदाय निगरानी कर सकता है, सवाल पूछ सकता है, नागरिक अधिकारों की मांग कर सकता है, स्थानीय संसाधन जुटा सकता है, लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को मानदेय समय पर देना, पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना, प्रशिक्षण देना, पोषण सामग्री की गुणवत्ता और निरंतरता सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभागों के बीच समन्वय बनाना सरकार की संस्थागत जिम्मेदारी है।

इसी तरह आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से चुनावों, वोटरलिस्ट अपडेशन से लेकर लगातार नए-नए काम लेने के साथ यह भी पूछना होगा कि उनके पास उन कामों को करने के लिए पर्याप्त समय, प्रशिक्षण, यात्रा सहायता, डिजिटल साधन और आर्थिक सुरक्षा है या नहीं। पोषण की लड़ाई में 'फ्रंटलाइन' शब्द का इस्तेमाल बहुत आसान है। हम आशा- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अक्सर फ्रंटलाइन वर्कर कहते हैं। यह सम्मानजनक शब्द है, लेकिन इसमें एक खतरा भी है। फ्रंटलाइन पर वही व्यक्ति होता है जो व्यवस्था की हर कमी का सामना सबसे पहले करता है। जरा सोचिए, परिवार भोजन नहीं जुटा पाता...कार्यकर्ता समझाए। बच्चा टीका नहीं लगवाता...कार्यकर्ता घर जाए। गर्भवती महिला अस्पताल नहीं जाती...कार्यकर्ता समझाए। बच्चा कुपोषित है...कार्यकर्ता निगरानी करे। डेटा पोर्टल पर अपडेट नहीं है—कार्यकर्ता दर्ज करे। पोषण माह है...कार्यक्रम भी करे, लेकिन उसका वेतन कह लीजिए या मानदेय, वो देर से आए, तो किससे शिकायत करे। सरकार और तंत्र को यह भी देना होगा, कि जिससे वह पोषण का संदेश दिलवा रहा है, वास्तव में उसका पोषण कैसा है? यही विरोधाभास हमें इस पोषण माह में देखना चाहिए। वास्तव में फोकस पोषण माह के मेलों, प्रदर्शनियों, आयोजनों की चकाचौंध पर नहीं, पोषण की व्यवस्था और उसके मिलने की निरंतरता पर होनी चाहिए। समुदाय हो या मीडिया उसे देखना होगा, कि क्या उस केंद्र पर नियमित रूप से गर्म पका भोजन मिल रहा है? मेन्यू बोर्ड पर जो लिखा है, क्या वही भोजन बच्चों को मिल रहा है? क्या बच्चे की वृद्धि की नियमित निगरानी हो रही है?

## कड़वे वचन

महान लोगों को हमेशा ही सामान्य मन से हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है।

– अल्बर्ट आइंस्टीन

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है।

– वाल्मीकि

## विचार मंथन

# जहरीली शराब से हो रहीं मौतों के लिए कौन जिम्मेदार

देश में जहरीली शराब के कारण हर साल सैकड़ों की संख्या में हो रही मौत के आंकड़े साल दर साल बढ़ते चले जा रहे हैं। गुजरात, बिहार में पूर्ण शराबबंदी है। जिन राज्यों में शराब बंद है, वहां पर मौत हों तो समझ में भी आता है, लेकिन जिन राज्यों में शराब का कारोबार सरकार की सरपरस्ती में होता है वहां पर यदि जहरीली शराब पीकर लोग मर रहे हैं तो इससे बड़ा अपराध सरकारों के लिए नहीं हो सकता है। लोगों तक जहरीली शराब किस तरह से पहुंच रही है? शराब कैसे जहरीली हो रही है? उनके कारण खोजने के स्थान पर जब गरीब-गुरुवा जहरीली शराब पीकर मर जाते हैं] उस समय सरकारी खजाने से कुछ राशि मुआवजे के रूप में दे दी जाती है। बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन जिनके ऊपर इस अपराध को रोकने की जिम्मेदारी है, वह अपने आप को बचा लेते हैं। इसका जिम्मा आबकारी विभाग और पुलिस के ऊपर छोड़कर गरीबों को मौत के मुंह में जानबूझकर ढकेलने के जो अपराधी हैं, उन पर आज तक ना तो कोई प्रश्न चिन्ह लग रहा है ना वह अपनी जिम्मेदारी मान रहे हैं। कहा जाता है इसके लिए सही मायने में सरकार में बैठे हुए नेता और अधिकारी जिम्मेदार हैं। शराब का कारोबार जब सरकार कर रही है तो यह सरकार में बैठे हुए लोगों की जिम्मेदारी है कि वह देखें शराब केवल राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं है। देसी शराब मजदूर और गरीब आदमी पीता है। वह दिन भर मेहनत करता है, लेकिन वह नशे का आदी हो चुका है। 2004 के पहले तक राज्य सरकारें गरीबों के लिए देसी शराब के ठेके चलाती थीं। देसी शराब से कमाई के स्थान पर वह गरीबों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पीने योग्य देसी शराब कम कीमत में उपलब्ध कराती थीं। उस समय कभी भी जहरीली शराब से मरने की खबरें नहीं आती थीं। 2004 के बाद से लगभग सभी राज्यों में देसी और विदेशी शराब अब लगभग एक ही कीमत पर बिक रही हैं। हर साल शराब महंगी होती जा रही है। गरीब सबसे ज्यादा शराब पीता है। जब उसके पास पैसा नहीं होता है तो वह कच्ची शराब भी पी लेता है। इसके अलावा पिछले तीन-चार वर्षो में एथेनॉल के प्लांट बड़ी तेजी के साथ लगना शुरू हो गए हैं। हर जिले में अवैध तरीके से शराब बनाई जा रही है। इथेनॉल आसानी से उपलब्ध हो जाता है। 1 लीटर एथेनॉल में चार बोतल शराब बन जाती है। लेकिन पानी का घनत्व हर जिले का अलग-अलग होता है, जिसके कारण जो अवैध शराब बनाकर बिक्री की जा रही है उसमें आबकारी विभाग, पुलिस विभाग और राजनेताओं का संगठित विरोध इस धंधे में काम कर रहा है। करोड़ों रुपए की कमाई हर माह शराब के अवैध कारोबार से पुलिस, आबकारी विभाग और नेताओं को हो रही है। पहले भी कच्ची शराब मेथेनॉल और एथेनॉल का उपयोग कर बनाई और बेची जाती थी, लेकिन कभी इस तरीके की घटनाएं नहीं होती थीं। अब यह घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं।

**लेखक- सनत जैन**

# गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को, पूजा का शुभ मुहूर्त और नियम

हिंदू धर्म में भगवान गणेश का जन्मोत्सव, गणेश चतुर्थी के रूप में, अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पावन पर्व भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन विघ्नहर्ता गणेश का प्राकट्य हुआ था। इसे गणेश जन्मोत्सव के रूप में भी जाना जाता है और यह एक ऐसा अवसर है जब पूरे भारत में भक्तगण अपने प्रिय गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। गणेश चतुर्थी से शुरू होने वाला यह उत्सव पूरे दस दिनों तक चलता है और अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन के साथ संपन्न होता है। वर्ष 2026 में, यह शुभ तिथि 14 सितंबर, सोमवार को पड़ रही है, जब भक्तगण अपने प्रिय गणपति का स्वागत करेंगे और उनकी पूजा-अर्चना में लीन होंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि 14 सितंबर 2026 को सोमवार के दिन सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर प्रारंभ होगी और अगले दिन, यानी 15 सितंबर, मंगलवार को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर इसका समापन होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान गणेश का जन्म चतुर्थी तिथि के मध्याह्न काल में हुआ था, यही कारण है कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी का महापर्व 14 सितंबर को ही मनाना शास्त्र सम्मत होगा। इस दिन को विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है, और भगवान गणेश की पूजा मुख्य रूप से मध्याह्न काल में करने की परंपरा है।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना मुख्य रूप से मध्याह्न काल में करने की परंपरा है। 14 सितंबर को गणपति पूजा के लिए मध्याह्न काल में सुबह 11 बजकर 2 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक का समय अत्यंत शुभ रहेगा। इस अवधि में भक्तजन विधि-विधान से गणेश जी की पूजा-अर्चना कर सकते हैं और उनकी प्रतिमा की स्थापना भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इसी दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 52 मिनट से दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक रहेगा, जिसे गणपति प्रतिमा और कलश स्थापना के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। अन्य शुभ मुहूर्तों की बात करें तो, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 32 मिनट से 5 बजकर 19 मिनट तक रहेगा, जबकि निशिता मुहूर्त रात 11 बजकर 53 मिनट से 15 सितंबर की रात 12 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर भद्रा का वास भी रहेगा, परंतु भक्तों के लिए यह राहत की बात है कि इसका समय गणेश पूजा और प्रतिमा स्थापना के मुख्य शुभ मुहूर्त से भिन्न है। पंचांग के अनुसार, भद्रा 14 सितंबर की शाम 7 बजकर 20 मिनट पर प्रारंभ होगी और 15 सितंबर की सुबह 6 बजकर 6 मिनट तक रहेगी। इस दौरान भद्रा का वास पाताल लोक में बताया गया है, जिससे पृथ्वी पर होने वाले शुभ कार्यों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन करने से बचने की एक महत्वपूर्ण धार्मिक मान्यता है। 14 सितंबर को चंद्रोदय सुबह 9 बजकर 6 मिनट पर होगा, जबकि चंद्रास्त रात 8 बजकर 4 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन चंद्रमा को देखने से व्यक्ति पर झूठे या गलत आरोप लगने का संकट आ सकता है, जिसे कलंक कहा जाता है। इसलिए, इस दिन चंद्र दर्शन न करने की विशेष परंपरा का पालन किया जाता है। यह दस दिवसीय उत्सव अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन के साथ समाप्त होता है, जब भक्तजन अगले वर्ष पुनः पधारने की कामना के साथ बप्पा को विदाई देते हैं। गणेश चतुर्थी का यह पर्व हर साल की तरह 2026 में भी सुख-समृद्धि और मंगलकामनाओं का संदेश लेकर आएगा।

## प्रेरक प्रसंग

# सच्ची सेवा -भावना!

एक संत ने एक विश्व-विद्यालय आरंभ किया।इस विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य था ऐसे संस्कारीयुवक-युवतियों का निर्माण जो समाज केविकास में सहभागी बन सकें।

एक दिन उन्होंने अपने विद्यालय में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।जिसका विषय था - जीवों पर दया एवं प्राणिमात्र की सेवा।

निर्धारित तिथि को तयशुदा वक्त पर विद्यालयके कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रतियोगिता आरंभ हुई।किसी छात्र ने सेवा के लिए संसाधनों की महत्तापर बल देते हुए कहा कि हम दूसरों की तभीसेवा कर सकते हैं जब हमारे पास उसके लिएपर्याप्त संसाधन हों। वहीं कुछ छात्रों की यह भीराय थी कि सेवा के लिए संसाधन नहीं, भावनाका होना जरूरी है। इस तरह तमाम प्रतिभागियों ने सेवा के विषय में शानदार भाषण दिए। आखिर में जबपुरस्कार देने का समय आया तो संत ने एकऐसे विद्यार्थी को चुना, जो मंच पर बोलने केलिए ही नहीं आया था। यह देखकर अन्य विद्यार्थियों और कुछ शैक्षिकसदस्यों में रोष के स्वर उठने लगे। संत ने सबको शांत कराते हुए बोले, 'प्यारे मित्रो वविद्यार्थियो, आप सबको शिकायत है कि मैंनेऐसे विद्यार्थी को क्यों चुना, जो प्रतियोगिता मेंसम्मिलित ही नहीं हुआ था। दरअसल, मैंजानना चाहता था कि हमारे विद्यार्थियों में कौनसेवाभाव को सबसे बेहतर ढंग से समझता है। इसीलिए मैंने प्रतियोगिता स्थल के द्वार पर एकघायल बिल्ली को रख दिया था। आप सब उसीद्वार से अंदर आए, पर किसी ने भी उस बिल्लीकी ओर आंख उठाकर नहीं देखा। यह अकेलाप्रतिभागी था, जिसने वहां रुक कर उसकाउपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़आया। सेवा-सहायता डिबेट का विषय नहीं, जीवन जीने की कला है।

जो अपने आचरण से शिक्षा देने का साहस नरखता हो, उसके वक्तव्य कितने भी प्रभावी क्योंन हों, वह पुरस्कार पाने के योग्य नहीं है।

### 20 साल से बगरोदा-चाठोली-दीपनखेड़ा मार्ग बदहाल, कभी चलती थीं बसें, अब कीचड़ और गड्ढों से ग्रामीण परेशान

# सांसद ने मायका माना, फिर भी सड़क की हालत गंभीर, विधायक के चहेते गांवों में शुमार बगरोदा विकास से दूर

**युग प्रदेश,** बगरोदा

जिले ही नहीं बल्कि राजधानी भोपाल तक पहचान रखने वाली ग्राम पंचायत बगरोदा के ग्रामीण पिछले करीब 20 वर्षों से बगरोदा-चाठोली-दीपनखेड़ा मार्ग के निर्माण और सुधार की मांग कर रहे हैं, लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी सड़क की स्थिति गंभीर बनी हुई है।यह सड़क महज बगरोदा को चाठोली से जोड़ने वाला रास्ता नहीं है। इसके निर्माण से चाठोली सहित आसपास के करीब 50 गांवों को सिरोंज-कुरवाई मुख्य मार्ग और रल्ठ-14 से बेहतर सीधा संपर्क मिल सकता है। इससे ग्रामीणों के आवागमन के साथ किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।ग्रामीणों का कहना है कि वोट मांगने के समय गांव अपना होता है तो विकास के समय भी गांव को अपनी प्राथमिकता में रखना चाहिए।

**यह सड़क बनी तो सिर्फ बगरोदा नहीं, पूरा क्षेत्र जुड़ेगा :** ग्रामीणों के अनुसार बगरोदा-चाठोली-दीपनखेड़ा संपर्क मार्ग विकसित होने से आसपास के गांवों को सिरोंज-कुरवाई मुख्य मार्ग और रल्ठ-14 से बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकती है। इससे किसानों को उपज बाजार तक पहुंचाने, विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और ग्रामीणों को रोजगार एवं व्यापार के लिए आने-जाने में समय और खर्च दोनों की बचत होगी। यानी सवाल सिर्फ एक सड़क का नहीं है। सवाल है कि क्या ग्रामीण क्षेत्रों की ऐसी सड़कें विकास के नक्शे में शामिल हैं या नहीं? अब आश्वासन नहीं, सड़क चाहिए बगरोदा के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और सभी जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि सड़क की वास्तविक स्थिति का मौके पर निरीक्षण कराया जाए, निर्माण की तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया स्पष्ट की जाए और निर्माण के लिए ठोस समय सीमा तय की जाए।

**सांसद ने बगरोदा को मायका माना, फिर भी सड़क क्यों नहीं सुधरी :** ग्रामीणों का कहना है कि सांसद लता वानखेड़े ने बगरोदा को अपना मायका बताते हुए गांव को गोद लेने और उसके संपूर्ण विकास की बात कही थी। ऐसे में ग्रामीणों का सवाल है कि जब मायका कहे जाने वाले गांव की इतनी महत्वपूर्ण सड़क वर्षों से बदहाल है, तो फिर इस ओर ठोस पहल कब होगी? ग्रामीणों का कहना है कि अपनापन सिर्फ शब्दों में नहीं, विकास के कामों में भी दिखाई देना चाहिए।

**विधायक के चहेते गांवों में शुमार बगरोदा, फिर विकास से दूर क्यों :** ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बगरोदा क्षेत्रीय विधायक के चहेते और राजनीतिक रूप से समर्पित गांवों में गिना जाता है, इसके बावजूद गांव की मुख्य संपर्क सड़क आज भी विकास की राह देख रही है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि वर्षों से समर्पित गांव होने के बावजूद इतनी महत्वपूर्ण सड़क की सुध नहीं ली गई, तो आखिर किस गांव को विकास की प्राथमिकता मिलेगी?

## कभी बसें चलती थीं, अब बारिश में रास्ता भी मुश्किल

ग्रामीणों के अनुसार वर्षों पहले इसी मार्ग से बसें बगरोदा होते हुए चाठोली और दीपनाखेड़ा तक जाती थीं। सड़क खराब होने के बाद बसों का संचालन बंद हो गया और ग्रामीणों का कम दूरी में सुगम आवागमन भी समाप्त हो गया। बारिश के दिनों में कीचड़ और गड्ढों के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन, सांसद और विधायक से मांग की है कि मौके पर सड़क का निरीक्षण कराकर निर्माण की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए और स्पष्ट समयसीमा घोषित की जाए। ग्रामीणों का कहना है 20 साल से आश्वासन सुनते-सुनते अब सब्र जवाब देने लगा है। जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण बदहाल सड़क को लेकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

### इनका कहना है

यह सड़क क्षेत्र के कई गांवों को आपस में जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके निर्माण और सुधार से चाठोली से बगरोदा होते हुए कुरवाई तक सीधा संपर्क आसान हो जाएगा। इसके बावजूद वर्षों से इतनी महत्वपूर्ण सड़क की ओर किसी जनप्रतिनिधि या जिम्मेदार अधिकारी का ध्यान नहीं गया। ग्रामीणों को आज भी खराब और कीचड़ भरे रास्ते से आवागमन करना पड़ रहा है। सड़क बनने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि आसपास के कई गांवों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

**-राजकुमार दांगी**, ग्रामीण चाठोली

बगरोदा गांव के लोगों के नेताओं से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक संपर्क होने की बात कही जाती है, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण आज तक मुख्य मार्ग की बदहाली से मुक्ति नहीं पा सके हैं। बारिश के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है और लोगों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। आखिर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि सांसद और विधायक इन सड़कों की ओर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं? हमारी मांग है कि जल्द से जल्द इस सड़क की स्वीकृति कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामवासी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

**-सुरेन्द्र रघुवंशी**, किसान बगरोदा

ग्राम बगरोदा की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की ओर से लगातार प्रस्ताव और मांगें विधायक महोदय के समक्ष रखी जाती रही हैं। पूर्व में भी विधायक द्वारा गांव के विकास कार्यों में सहयोग किया गया है। इस सड़क की समस्या को लेकर भी कुरवाई विधायक हरि सप्रे जी से चर्चा की गई है। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द इसका समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि सड़क की स्वीकृति और निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई आगे बढ़े, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

**-शिवराज रघुवंशी**, मंडल महामंत्री भाजपा पथरिया

---

## संक्षिप्त समाचार

### सेवा भारती सीहोर द्वारा चलाया जा रहा सुपोषण सप्ताह, किया जनजागरूक

**सीहोर।** सिद्धपुर सेवा भारती समिति सीहोर द्वारा 6 सितंबर से 13 सितंबर 2026 तक सुपोषण सप्ताह मनाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य और सुपोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सिद्धपर सेवा भारती जिला समिति के अध्यक्ष मधुर विजयवर्गीय, सचिव कमल ठाकुर कोषाध्यक्ष हिंदू सिंह परमार के मार्गदर्शन में जिला समन्वयक सुनील भारती के द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्कार केंद्र की शिक्षिका भूमिका महेश्वरी सहित करीब 20 से 25 महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक भोजन के महत्व, बच्चों के उचित शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही श्रीमती प्रियंका कीर, श्रीमती विमला कुशवाह आंगनवाड़ी की कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जागरूकता रैली निकालकर लोगों को सुपोषण का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार अपनाने, पौष्टिक भोजन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।

### सीहोर में 11 सितंबर को नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

**सीहोर।** शासकीय आयुष विंग चिकित्सालय, सीहोर द्वारा नागरिकों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर में आयुर्वेद पद्धति के माध्यम से विभिन्न रोगों के संबंध में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं रोगोपचार किया जाएगा। शिविर का आयोजन 11 सितंबर 2026, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से गायत्री शक्तिपीठ, नदी चौराहा, सीहोर में किया जाएगा। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमेश नागर द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ लेने की अपील की है।

---

### पगनेश्वर में सड़क, शेड और सुरक्षित स्थान का अभाव

### अंतिम संस्कार में भी ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

# सांची विधानसभा में श्मशान घाट की बदहाल व्यवस्था

**युग प्रदेश,** सांची

सांची विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पगनेश्वर के श्मशान घाट की बदहाल व्यवस्था ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बनी हुई है। गांव में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क तो दूर, कच्चे मार्ग की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। हाल ही में मोहर बाई अहिरवार, पति ग्यारसीलाल के निधन के बाद जब परिजन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे, तो वहां मौजूद अव्यवस्थाओं के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। श्मशान घाट पर बारिश और धूप से बचाव के लिए शेड अथवा चादर की व्यवस्था भी नहीं है।

**नदी किनारे होने से बढ़ जाती है परेशानी :** ग्रामीणों के अनुसार पगनेश्वर का श्मशान घाट नदी किनारे स्थित है। बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने पर स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। कई बार अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त एवं सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने में परेशानी होती है। ऐसे में परिवार पहले से ही अपनों के निधन के दुख में होता है और ऊपर से बुनियादी सुविधाओं के अभाव में उसे अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

#### ग्रामीणों की मांग– जल्द हो स्थायी समाधान

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि पगनेश्वर के श्मशान घाट का निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया जाए और पक्के पहुंच मार्ग, शेड तथा सुरक्षित अंतिम संस्कार स्थल का निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी परिवार को अपने परिजन के अंतिम संस्कार के समय इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

## अंतिम संस्कार के लिए भी सुविधाओं का इंतजार

ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट जैसी जगह पर कम से कम पहुंच मार्ग, शेड, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षित स्थान तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं होना जरूरी है। लंबे समय से इन सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। सामाजिक कार्यकर्ता गजराज सूर्यवंशी ने कहा कि अंतिम संस्कार जैसी मूलभूत और मानवीय आवश्यकता के लिए ग्रामीणों को परेशान होना बेहद चिंताजनक है। प्रशासन और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को मामले को गंभीरता से लेते हुए श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए उचित मार्ग, शेड और सुरक्षित स्थान सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर करानी चाहिए।

---

# सीहोर में सांसद आलोक शर्मा ने सेवा संकल्प अभियान के तहत मंडल कार्यसमिति की बैठक ली

**युग प्रदेश,** सीहोर

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय संगठन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सांसद आलोक शर्मा ने सीहोर विधानसभा के सीहोर नगर मंडल क्रमांक-1 एवं सीहोर नगर मंडल क्रमांक-2 की मंडल कार्यसमिति एवं मंडल कार्यशाला की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों एवं संगठन द्वारा निर्धारित दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना सर्वोपरि रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक कार्यों और जनकल्याणकारी बदलावों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे पूरे मंडल में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के घर जाकर आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक मोहल्ले के प्रभारी बनाए जाएं तथा लाभार्थियों की सूची तैयार कर आवश्यक संख्या में दीयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 'सेवा चित्र' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सरकारी एवं निजी स्कूलों की सूची तैयार कर वहां चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं का विषय '2014 के पहले का भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बदलता भारत' रहेगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा तथा कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। सांसद शर्मा ने 'सेवा स्मरण' कार्यक्रम के संबंध में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कार्यों का स्मरण नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जाएगा। कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से धारा 370 का उन्मूलन, तीन तलाक से मुक्ति, सीमाओं की सुरक्षा, गरीब कल्याण, स्वच्छता, जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत सहित देश में हुए महत्वपूर्ण बदलावों और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने 'आंगन मिलन' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम महिला मोर्चा द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके लिए आंगनवाड़ियों की सूची तैयार कर वहां जाकर आंगनवाड़ी से जुड़ी मातृशक्ति से संवाद किया जाएगा। उनसे सरकार की योजनाओं से उनके जीवन में आए बदलावों की कहानियां सुनी जाएंगी तथा उनके योगदान और अनुभवों के सम्मान स्वरूप शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया जाएगा।

**17 सितंबर को लाभार्थियों के घर प्रज्ज्वलित होगा 'आशीर्वाद का दीया'**

---

## लिंक रोड पर कुत्तों का आतंक

# झुंड में घूम रहे आवारा कुत्ते अनदेखी से बढ़ रहे हादसे

**युग प्रदेश,** सिरोंज

शहर के लिंक रोड पर इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। सड़क पर झुंड में घूमने वाले कुत्ते राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। कुत्ते दोपहिया वाहनों के पीछे दौड़ते हैं और कई बार अचानक सड़क पर आ जाते हैं। इससे वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। लिंक रोड के अलावा मुख्य बाजार, जनपद पंचायत परिसर और रिहायशी क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में आवारा कुत्ते नजर आ रहे हैं। सुबह-शाम पैदल निकलने वाले लोगों और बच्चों में इनको लेकर डर बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार कुत्ते राहगीरों को दौड़ाते हैं और काटने के लिए हमला भी करते हैं।

**नागरिक बोले- स्थायी समाधान जरूरी :** नागरिकों का कहना है कि नगरपालिका द्वारा समय-समय पर कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई की जाती है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। केवल कुत्तों को पकड़कर शहर से बाहर छोड़ना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। लोगों ने शहर में व्यापक स्तर पर नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाने की मांग की है।

**बड़ी घटना का इंतजार न करे नगरपालिका :** लोगों का कहना है कि लिंक रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर कुत्तों के झुंड से कभी भी गंभीर सड़क हादसा हो सकता है। नगरपालिका को किसी बड़ी घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल अभियान चलाकर आवारा कुत्तों की समस्या से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

---

## वार्ड क्रमांक 4 में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन

# लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग हुई पूरी

**युग प्रदेश,** साँची

नगर परिषद साँची के वार्ड क्रमांक 04 में लंबे समय से चली आ रही सड़क निर्माण की मांग अब पूरी होने की दिशा में बढ़ गई है। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्ड क्रमांक 04 में श्री विजय शर्मा के मकान से श्री राहुल सेन के मकान तक सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया गया। सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद अमित जोशी मौजूद रहे। उन्होंने विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के रहवासियों में भी खुशी का माहौल देखने को मिला।

**लंबे समय से थी सड़क निर्माण की मांग :** पार्षद अमित जोशी ने कहा कि वार्डवासियों द्वारा लंबे समय से इस मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही थी। नागरिकों की आवश्यकता और सुविधा को देखते हुए सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता से स्वीकृत कराया गया और अब इसका भूमिपूजन कर कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण पूर्ण होने के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में मार्ग की खराब स्थिति के कारण रहवासियों को होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

---

# थाना कोतवाली की पटाखा बुलेट प्रेमियों पर सख्त कार्यवाही

**युग प्रदेश,** सीहोर

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और शहर की शांति भंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गिरीश दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विशेष अभियान चलाते हुए पिछले दो दिनों में कानफाडू आवाज निकालने वाली 05 मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त बुलेट मोटरसाइकिलों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले बुलेट चालकों से कुल 25,000 रुपये का समन शुल्क वसूला। इसके साथ ही वाहनों में लगे अवैध मॉडिफाइड साइलेंसरों को हटवाया गया।

**5 बुलेट जप्त कर 25 हजार जुर्माना किया गया**

थाना प्रभारी निरीक्षक गिरीश दुबे ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि साइलेंसर मॉडिफाई कराकर तेज व पटाखे जैसी आवाज निकालने वालों से आम जनता, बुजुर्गों और मरीजों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। शहर में शांति व यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग करने वाले चालकों के खिलाफ यह चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं।

---

**लैब में प्रतिदिन 200 से 250 जांच, बीमारी से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान और मच्छर नियंत्रण के इंतजाम नदारद**

# बुखार-डेंगू-मलेरिया ने बढ़ाई चिंता, अस्पताल में रोज 400 मरीजों तक पहुंच रही ओपीडी

**युग प्रदेश,** सोहागपुर

मौसम में बदलाव के साथ क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बुखार, सर्दी-जुकाम सहित डेंगू और मलेरिया की आशंका के बीच बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं। बीएमओ रेखा गौर ने बताया कि इन दिनों प्रतिदिन करीब 300 से 400 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं अस्पताल की लैब में रोजाना करीब 200 से 250 जांचें की जा रही हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते अस्पताल में दिनभर मरीजों की भीड़ बनी हुई है।

## दो बड़े विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल

नगर में स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद आमजन से सीधे जुड़े प्रमुख संस्थान हैं। एक ओर अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर बीमारी की रोकथाम के लिए जरूरी जागरूकता और मच्छर नियंत्रण के प्रयास जमीन पर नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सर्वाधिक कर्मचारी वाली इन दोनों संस्थाओं की कार्यप्रणाली और आमजन के प्रति जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

#### बीमारी से पहले रोकथाम के प्रयास नहीं

मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने के बावजूद नगर में लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग की ओर से पहले से कोई ठोस अभियान नजर नहीं आया। डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए बीमारी फैलने से पहले ही लोगों को जागरूक करना, घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देना और मच्छरों की रोकथाम के उपाय करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। लेकिन समय रहते इस दिशा में प्रभावी पहल नहीं होने से अब स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है।

**मच्छर नियंत्रण में नगर परिषद भी पीछे :** नगर में मच्छरों की बढ़ती संख्या के बावजूद नगर परिषद की ओर से भी प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। नालियों और पानी जमा होने वाले स्थानों पर नियमित सफाई के साथ पाउडर का छिड़काव और फॉगिंग जैसे उपाय किए जाने की जरूरत है। जिम्मेदारी के साथ बीमारी फैलने के बाद कार्रवाई करने के बजाय नगर परिषद को पहले ही मच्छर नियंत्रण के उपाय शुरू कर देने चाहिए थे।

#### इनका कहना है

ओपीडी की संख्या बढ़ी है , जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं।

**रेखा सिंह गौर**, बीएमओ
सीएचसी सोहागपुर

## संक्षिप्त समाचार

### पुलिस की पहल को गौसेवकों ने बनाया जन अभियान

**ईसागढ़।** सड़क दुर्घटनाओं में गौवंश की सुरक्षा और रात्रि के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से ईसागढ़ -अशोकनगर पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए रेडियम बेल्ट को गौसेवक टीम ने जन जागरूकता अभियान का रूप दे दिया है। गौसेवक राहुल चतुर्वेदी, प्रिंस अग्रवाल निक्की ओझा सोनू, शिवम यादव शिवांश एवं उनकी टीम ने ईसागढ़ नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर गौमाता के गले में रेडियम बेल्ट बांधे। रेडियम बेल्ट रात के अंधेरे में वाहन चालकों को दूर से ही गौवंश की मौजूदगी का संकेत देगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने में मदद मिलेगी। गौसेवक टीम द्वारा गांव-गांव पहुंचकर ग्राम वासियों को भी जागरूक किया गया कि वे अपनी गायों एवं अन्य पशुओं को रात्रि के समय सड़कों पर खुला न छोड़ें। टीम ने पशु पालकों से अपील की है कि रात होने से पहले गौवंश को सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें, ताकि वे सड़क पर दुर्घटना का शिकार न हों।

### पद्मा शर्मा के साहित्य पर अंजू जाटव को पी-एचडी की उपाधि

**शिवपुरी।** जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा हिन्दी विषय में शोधार्थी अंजू जाटव को पद्मा शर्मा की कहानियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन विषय पर पी-एचडी की शोध उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोधकार्य एम.एल.बी. महाविद्यालय, ग्वालियर के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। अंजू जाटव की इस उपलब्धि पर उनके पति गोपाल सिंह रेंजर कोलारस शिवपुरी, पिता देवीलाल, माता श्रीमती कला देवी एवं पुत्री अवनी ने शुभकामनाएं दीं। वहीं ससुर फूल सिंह जाटव, सास श्रीमती कस्तूरी देवी, भाई धर्मेंद्र, गब्बर सिंह एवं भूपेंद्र सिंह सहित परिजनों और शुभचिंतकों ने भी बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि डॉ. पद्मा शर्मा एम.एल.बी. महाविद्यालय, ग्वालियर में हिन्दी की प्राध्यापक हैं। उन्होंने लगभग 26 वर्षों तक पी.जी. कॉलेज, शिवपुरी में अपनी सेवाएं दी हैं। उनके साहित्य पर पूर्व में रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन-भोपाल से भी एक शोधार्थी को पी-एचडी की उपाधि प्राप्त हो चुकी है। डॉ. पद्मा शर्मा के साहित्य पर महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय, छतरपुर, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर सहित अन्य विश्वविद्यालयों में भी शोधकार्य जारी है। अंजू जाटव की इस शैक्षणिक उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षाविदों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

### महिला दल द्वारा निरंतर जारी नपा का वसूली अभियान

**अशोकनगर।** नगर पालिका द्वारा विशेष वसूली अभियान चलाया जाकर विगत दिनों बड़े बकायादारों से बकाया राशि की वसूली हेतु महिला दल गठित कर वार्डो में वार्ड प्रभारी के साथ भेजने का कार्य किया जा रहा है। दल के द्वारा निरंतर बुधवार एवं गुरुवार में विशेष अभियान के रूप में नगर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण करते हुए ऐसे बड़े बकायादारों से संपर्क कर वसूली की जा रही है, जिनके द्वारा लंबे समय से संपत्ति कर एवं जलकर की राशि जमा नहीं की गई है। उक्त अभियान सीएमओ विनोद उन्नीतान के निर्देशन में लगातार जारी है, जिसमें बुधवार को वार्ड नंबर 3 में उक्त अभियान चलाया गया, साथ ही नगर पालिका द्वारा आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत के दौरान पेनल्टी में छूट का लाभ लेते हुए राशि जमा करने की अपील भी की जा रही है।

# अपनों की शिकायत लेकर पुलिस पंचायत पहुंचे बुजुर्ग, संवाद ने फिर जोड़े रिश्तों के तार

## 66 वर्षीय मां ने सुनाई बेटे की बेरुखी की कहानी, बुजुर्ग दंपती ने बहू के व्यवहार का दर्द बताया, पुलिस पंचायत में दोनों पक्ष आमने-सामने बैठे तो निकली समाधान की राह

**युग प्रदेश,** विदिशा

उम्र के उस पड़ाव पर जब माता-पिता को अपने बच्चों के सहारे और परिवार के प्यार की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब यदि घर की चारदीवारी के भीतर ही रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो जाए तो बुजुर्गों का दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है। विदिशा में ऐसे ही दो मामले सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत के सामने पहुंचे, जहां बुजुर्गों ने अपनों से ही जुड़ी पीड़ा सुनाई। हालांकि, बातचीत और समझाइश ने दोनों परिवारों में एक बार फिर उम्मीद की राह दिखाई। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी के मार्गदर्शन में बुधवार को सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत की बैठक हुई। पंचायत में वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित दो प्रकरण सामने आए।

**जिस बेटे के लिए जिंदगी खपा दी, उसी से मिली गाली-गलौज की शिकायत :** पहले मामले में 66 वर्षीय महिला अपने बेटे से परेशान थीं। शिकायत में उन्होंने बताया कि बेटा उनके साथ गाली-गलौज करता है और उन्हें परेशान करता है। एक मां के लिए इससे बड़ा दर्द शायद ही कुछ हो कि जिस बच्चे को उसने पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी के व्यवहार से उसे सहारा लेने के बजाय शिकायत लेकर बाहर आना पड़े। पुलिस पंचायत में मां और बेटे को आमने-सामने बैठाया गया। दोनों की बात सुनी गई। कमेटी ने विवाद की जड़ समझने का प्रयास किया और बेटे को मां के प्रति सम्मान व जिम्मेदारी का अहसास कराया। समझाइश के बाद दोनों के बीच संवाद की शुरूआत हुई। कार्यवाही के बाद महिला अपने बेटे के साथ प्रसन्न नजर आईं। उन्होंने पुलिस पंचायत की पहल पर संतोष जताया। लंबे समय से रिश्ते में आई दूरी के बीच यह पल परिवार के लिए राहत भरा रहा।

**शिकायत से ज्यादा जरूरी था रिश्तों को टूटने से बचाना :** इन दोनों मामलों में पुलिस पंचायत की भूमिका केवल विवाद सुलझाने तक सीमित नहीं रही। कोशिश यह रही कि बुजुर्गों की पीड़ा को सुना जाए और परिवार टूटने से पहले बातचीत के जरिए रिश्तों को संभालने का मौका दिया जाए। विदिशा पुलिस द्वारा संचालित सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत वरिष्ठ नागरिकों की पारिवारिक एवं संपत्ति संबंधी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर संवाद और आपसी सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में काम कर रही है। दोनों प्रकरणों में समझाइश के बाद बनी सहमति यह संदेश देती है कि कई बार रिश्तों को बचाने के लिए बड़ी कार्रवाई से ज्यादा जरूरी एक-दूसरे की बात सुनना और समझना होता है।

### पेंशन के सहारे जिंदगी, घर में ही नहीं मिल रहा था सुकून

दूसरा मामला इससे भी अधिक संवेदनशील था। अत्यधिक वृद्ध बुजुर्ग दंपती ने अपनी बहू के खिलाफ शिकायत की। उनका आरोप था कि घर में आए दिन गाली-गलौज और विवाद होता है तथा उन्हें उचित भरण-पोषण भी नहीं मिल रहा है। बुजुर्ग दंपती अपनी पेंशन के सहारे जीवन गुजार रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जब शरीर कमजोर हो जाता है और सहारे की जरूरत बढ़ जाती है, तब घर में ही तनाव का माहौल बुजुर्गों के लिए बेहद पीड़ादायक बन जाता है। पुलिस पंचायत ने दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी बात सुनी। किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने के बजाय परिवार की परिस्थितियों को समझने और रिश्तों को बचाने पर जोर दिया गया। कमेटी ने दोनों पक्षों को आपसी सम्मान, संयम और संवाद बनाए रखने की समझाइश दी। बातचीत के बाद दोनों पक्षों में सहमति बनी और प्रकरण का समाधान कराया गया।

# मेमू ट्रेन में चादर में लिपटा शव ले जाने का वीडियो वायरल

### खून निकलता देख यात्रियों में फैली दहशत, यात्रियों ने पुलिसकर्मियों पर शव ट्रेन में रखने का लगाया आरोप, एंबुलेंस व्यवस्था पर उठे सवाल

**युग प्रदेश,** विदिशा

बीना से भोपाल की ओर जाने वाली मेमू ट्रेन में चादर में लिपटा शव ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शव को ट्रेन के फर्श पर रखा हुआ दिखाई दे रहा है और चादर से खून निकलता नजर आ रहा है। शव को इस तरह ट्रेन में ले जाते देख यात्रियों और सफर कर रहे विद्यार्थियों में डर का माहौल बन गया। यात्रियों के अनुसार, शव को सांची रेलवे स्टेशन से ट्रेन में रखा गया था। यात्रियों का दावा है कि कुछ पुलिसकर्मी शव को ट्रेन में लेकर आए और उसे नीचे रख दिया। इसी दौरान एक युवक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

### यात्रियों ने उठाए सवाल

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि किसी मृत व्यक्ति के शव को इस तरह चादर में लपेटकर यात्री ट्रेन के फर्श पर रखकर ले जाना कितना उचित है। शव से खून निकलने की स्थिति ने यात्रियों की चिंता और बढ़ा दी। ट्रेन में मौजूद लोगों का कहना था कि इस तरह शव को ले जाने से यात्रियों में असहजता और भय की स्थिति बनी।

**एंबुलेंस व्यवस्था पर भी सवाल :** घटना ने सरकारी स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों का सवाल है कि यदि शव को अस्पताल या अन्य स्थान पर ले जाना जरूरी था तो उसके लिए एंबुलेंस की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? सरकारी स्तर पर शव परिवहन और एंबुलेंस जैसी व्यवस्थाएं होने के बावजूद यात्री ट्रेन का इस्तेमाल क्यों करना पड़ा, यह जांच का विषय है। हालांकि, शव को ट्रेन से ले जाने की वास्तविक वजह और उस समय मौजूद पुलिसकर्मियों की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। वायरल वीडियो की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मामले में रेलवे और पुलिस की ओर से स्पष्ट जानकारी सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। वीडियो वायरल होने के बाद अब लोगों की नजर इस बात पर है कि जिम्मेदार विभाग इस मामले में क्या स्पष्टीकरण देता है और शव को यात्री ट्रेन में ले जाने की आवश्यकता आखिर क्यों पड़ी।

### ग्राहक बनकर दुकान में घुसे चोर

# दो आईफोन लेकर फरार पुलिस ने दोनों को पकड़ा

**युग प्रदेश,** शिवपुरी

शहर के फिजीकल थाना क्षेत्र में मोबाइल दुकान से दो आईफोन चोरी करने वाले आरोपियों को फिजीकल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए आईफोन 13 और आईफोन 14 प्रो, जिनकी कुल कीमत करीब 90 हजार रुपये, तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। फिजीकल टीआई अवनीश सिंह राठौड़ के अनुसार 3 सितंबर को फरियादी अरशद खान उम्र 25 वर्ष निवासी अफजल कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी दुकान पर एक युवक मोबाइल खरीदने के बहाने आया। मोबाइल देखते समय युवक दो आईफोन लेकर बाहर भागा और पास खड़ी मोटरसाइकिल पर बैठे अपने साथी के साथ फरार हो गया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। मामले में पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने थाना प्रभारी अवनीश सिंह राठौड़ को आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक अवनीश सिंह राठौड़, प्रआर. अंकित सिंह राजावत, अंजीत तिवारी एवं पुष्पेन्द्र रावत की सराहनीय भूमिका रही।

### बामौरकलां पुलिस की बड़ी कार्रवाई

# 70 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को दबोचा

**युग प्रदेश,** शिवपुरी

अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बामौरकलां पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अनाज मंडी के गेट के पास से 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जब्त की है। पुलिस टीम ने शराब बेचने की फिराक में खड़े आरोपी छोटे राजा बुन्देला उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम पिपरा को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। जब्त शराब की कीमत करीब 7 हजार रुपये बताई गई है। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं प्रभारी एसडीओपी पिछोर संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई। बामौरकलां थाना प्रभारी कुसुम गोयल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अनाज मंडी के गेट के पास एक व्यक्ति दो नीले रंग की केनों में कच्ची शराब लेकर बिक्री के लिए खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने उसे दबोच लिया। दोनों केनों की जांच में एक में करीब 40 लीटर और दूसरी में 30 लीटर शराब मिली। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय खनियाधाना के समक्ष पेश किया गया।

### मुड़ेरी में कृषक संगोष्ठी

# विशेषज्ञों ने किसानों को बताई उन्नत खेती की तकनीकें

**युग प्रदेश,** शिवपुरी

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आत्मा योजना के तहत विकासखंड शिवपुरी के ग्राम मुड़ेरी में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में करीब 125 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विशेषज्ञों से खेती की आधुनिक तकनीकों और विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में उप संचालक सह परियोजना संचालक (आत्मा) मुनेश कुमार शाक्य ने किसानों को विभाग की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए ई-टोकन व्यवस्था एवं एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने किसानों से इन सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख पुनीत कुमार राठौर ने उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एम.के. भार्गव एवं डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह ने प्राकृतिक खेती, समन्वित कृषि प्रणाली और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर मार्गदर्शन दिया। कृषि अभियांत्रिकी विभाग के सहायक कृषि यंत्री भगवान सिंह नरवरिया ने आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रभावी उपयोग एवं कृषि यंत्रीकरण के लाभ बताए। वहीं ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी जितेन्द्र जाटव ने उन्नत उद्यानिकी फसलों एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

# होटलों में खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच, 7 प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

## खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने के दिए निर्देश

**युग प्रदेश,** खरगोन

कलेक्टर गुरु प्रसाद के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खरगोन शहर स्थित विभिन्न होटल एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकताओं को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने होटल संचालकों को निर्देशित किया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में फूड हाइजीन का विशेष रूप से पालन किया जाए। खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले क्षेत्रों की नियमित अंतराल पर साफ-सफाई एवं सैनिटाइजेशन किया जाए। खाद्य सामग्री को निर्माण स्तर से ही स्वच्छ एवं सुरक्षित रखा जाए। साथ ही खाद्य पदार्थों को उचित तापमान पर पकाने तथा माइक्रोबियल संक्रमण से बचाव के लिए पके हुए भोजन को निर्धारित तापमान पर उचित समय तक गर्म रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने पूर्णतः पका हुआ एवं सुरक्षित भोजन ही ग्राहकों को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। नटराज होटल, बावड़ी बस स्टैंड से सोयाबीन तेल एवं बेसन, श्री गणेश होटल, बावड़ी बस स्टैंड से सोयाबीन तेल, ज्योति होटल, बिस्टान नाका से पोहा एवं बेसन तथा राधे श्री कचोरी होटल, बस स्टैंड से सोयाबीन तेल का नमूना लिया गया।

### जिला चिकित्सालय में सोनोग्राफी के लिए भटकते मरीज

# डॉक्टर के समय पर ना आने से मरीजों को बार-बार लगाने पड़ते हैं चक्कर

**युग प्रदेश,** अशोकनगर

जिला चिकित्सालय में सोनोग्राफी की व्यवस्था होने के बावजूद मरीजों को समय पर सुविधा नहीं मिल पा रही है, चिकित्सालय में मंगलवार और गुरुवार को सिर्फ दो दिन ही सोनोग्राफी जांच की जाती है, लेकिन यहां सोनोलॉजिस्ट की व्यवस्था न होने के चलते मरीज चक्कर लगा रहे,विशेष कर दूर दराज के गांव से यात्रा कर आई गर्भवती महिलाओं के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें उनकी समय पर सोनोग्राफी तो हो ही नहीं पा रही, इसके अलावा बाहर से आने पर किराया खर्च भी लग रहा है। इसके बाद भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा दिनांक 8 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर संविदा चिकित्सक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अशोकनगर, डॉक्टर आस्था अग्रवाल को उनके आवेदन के आधार पर उनका संलग्नीकरण निरस्त करते हुए उन्हें मूल संस्था के लिए कार्य मुक्त कर दिया है। हालांकि उन्हें जिला चिकित्सालय में सोनोलॉजिस्ट की कमी को देखते हुए प्रति मंगलवार एवं गुरुवार को अपनी सेवाएं जिला चिकित्सालय में प्रदाय करने हेतु आदेशित किया गया है। ऐसे में अगर वह उक्त निर्धारित दिनों में किसी कारणवश जिला चिकित्सालय में सोनोग्राफी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाती तो, मरीज को गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है,गत मंगलवार को भी यही स्थिति बनी,जब बड़ी संख्या में महिलाएं जिला चिकित्सालय सोनोग्राफी के लिए पहुंची जहां डाक्टर के ना आने पर महिलाओं को परेशान होना पड़ा और,कई महिलाओं ने अपनी व्यथा सुनाई, जो दूर दराज के गांव से आई थी।

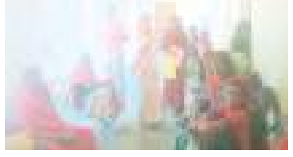

# रफ्तार, जज्बा और जीत की उड़ान-एनटीपीसी खरगोन में एथलेटिक्स का रोमांच

**युग प्रदेश,** खरगोन

एनटीपीसी खरगोन में जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से जिला एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन केशब चंद्र सिंहा राय, परियोजना प्रमुख, खरगोन ने खेल मशाल प्रज्वलित कर किया, जिसके साथ खेल प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को खेल शपथ भी दिलाई तथा उन्हें अनुशासन, निष्पक्ष खेल भावना और खेल भावना के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन समारोह में उत्साह का एक और रंग भरते हुए, सिंहा राय ने क्लैपर के माध्यम से विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और फिनिश लाइन की ओर जोश एवं उत्साह के साथ दौड़ते खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में शॉट पुट, विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताएं, लंबी कूद, भाला फेंक सहित एथलेटिक्स की विभिन्न स्पधार्एं आयोजित की जा रही हैं। आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ी पूरे उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं तथा अपनी प्रतिभा, शारीरिक क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं। एनटीपीसी खरगोन की उरफपहल के अंतर्गत आयोजित यह जिला एथलेटिक्स मीट युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त करने और अपनी क्षमताओं को निखारने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान कर रही है।

### Bosch की दो बैटरियां, स्पीकर, पाने और पेचकस बरामद; इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और मुखबिर की सूचना से पुलिस ने सुलझाई वारदात

# डंपर से बैटरी चोरी : जांच की आंच नाबालिगों तक पहुंची, 20 हजार रुपये का माल बरामद

**युग प्रदेश,** भैरूंदा

स्वप्न सिटी में खड़े डंपर को चोरों ने निशाना बनाते हुए उसकी दो महंगी बैटरियां समेत स्पीकर और औजारों पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मिले सुराग और मुखबिर की सूचना ने पुलिस को विधि-विरुद्ध बालकों तक पहुंचा दिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी का करीब 20 हजार रुपए कीमत का पूरा सामान बरामद कर लिया। मामला 7 सितंबर का है। फरियादी शाहरुख खान पिता सुलेमान खान ने थाना भैरूंदा में शिकायत दर्ज कराई कि नरेंद्र शर्मा के मकान के पास स्वप्न सिटी में खड़े डंपर से अज्ञात व्यक्ति Bosch कंपनी की दो बैटरियां, स्पीकर, दो पाने और पेचकस चोरी कर ले गए हैं। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 517/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

**पुलिस की कार्रवाई से चोरी का माल हुआ बरामद :** पुलिस ने विधि-विरुद्ध बालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं में सुराग जुटाकर आरोपियों तक पहुंचना और चोरी की संपत्ति बरामद करना जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

**इनकी रही अहम भूमिका :** कार्रवाई में प्रधान आरक्षक लोकेश रघुवंशी, प्रधान आरक्षक मुकेश, प्रधान आरक्षक प्रकाश, आरक्षक लवकेश जाट एवं आरक्षक रविंद्र मेहर की सराहनीय भूमिका रही।

### सुराग मिले तो पुलिस ने कस दिया शिकंजा

वारदात के बाद पुलिस ने आसपास के सुरागों और उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की जांच शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना को पुलिस ने जांच से जोड़ते हुए संदिग्धों को चिन्हित किया। इसके बाद विधि-विरुद्ध बालकों से उनके परिजनों की मौजूदगी में पृथक-पृथक पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी की दो Bosch बैटरियां, एक स्पीकर, दो पाने और एक पेचकस बरामद कर लिया। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 20 हजार रुपए बताई गई है।

### नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम अंग्रेजी में स्पेलिंग FEHMIDA BI से था। जो कि मेरे पासपोर्ट में अंकित है। मैंने अब अपने नाम की स्पेलिंग FEMIDA BEE से कर ली है। इस सूचना के माध्यम से मैं मेरे नाम की स्पेलिंग FEMIDA BEE से कर रही हूं। मुझे उक्त स्पेलिंग से जाना/ पहचाना और पुकारा जाए।

**पता :-** वार्ड नंबर 26, दरगाह के पास, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश

## बिजनेस न्यूज

### कटी पतंग ने बाजार विस्तार को दी गति

**भोपाल।** भारत की तेजी से बढ़ती, सूचीबद्ध प्रीमियम एल्कोबेव कंपनी, कटी पतंग ने मध्य प्रदेश में अपने आधिकारिक प्रवेश की घोषणा की है। अपनी स्वतंत्र दर्शन और अनूठी, पाक-प्रेरित भारतीय स्वाद प्रोफाइल के लिए जानी जाने वाली, कटी पतंग ने राज्य के प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, इंदौर और जबलपुर में अपने अत्यधिक लोकप्रिय सैफरन लागर और बरेली एक्स्ट्रा बोल्ड को लॉन्च किया है। मध्य प्रदेश में यह बाजार विस्तार जुलाई 2026 में चंडीगढ़ में इसके लॉन्च के तुरंत बाद हुआ है। राज्य में उपभोक्ता अब 330 मिलीलीटर के लिए 160 रुपए के न्यूनतम बिक्री मूल्य पर पुरस्कार विजेता सैफरन लागर का आनंद ले सकते हैं – जो कि एक हल्की, विशिष्ट, साफ और कुरकुरी लागर है। कश्मीर के केसर से धीरे से पकाई गई, यह सुनहरे मोड़ वाली एक लागर है, जो अब खुदरा दुकानों पर व्यापक रूप से उपलब्ध है। पोर्टफोलियो में तेज बीयर, बरेली एक्स्ट्रा बोल्ड, 650 मिलीलीटर की बोतल के लिए 217 रुपए के न्यूनतम बिक्री मूल्य पर उपलब्ध है। एक गंभीर रूप से तेज बीयर, यह उतनी ही चिकनी है जितनी कि उत्साही झ साहसी, मजबूत और बेबाक।

### टीवीएस मोटर ने लॉन्च की टीवीएस ज्युपिटर डुअल टोन स्पैक्ट्रल रेंज

**बेंगलुरु।** टीवीएस वेनु के भाग और दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली ग्लोबल लीडर, टीवीएस मोटर कंपनी ने आज टीवीएस ज्युपिटर डुअल-टोन स्पेक्ट्रल रेंज लॉन्च की है, जो भारत के सबसे प्रगतिशील फैमिली स्कूटर में एक नया और शानदार एडिशन है। इस नई रेंज के साथ 110 सीसी स्कूटर सेगमेंट में दो नए डुअल-टोन स्पेक्ट्रल कलर – स्पेक्ट्रल ब्लू और स्पेक्ट्रल कॉपर – पेश किए गए हैं। इस तरह टीवीएस ज्युपिटर शानदार रंगों के साथ स्टाइल, आराम और टेक्नोलॉजी का संयोजन लाने वाला सेगमेन्ट का पहला स्कूटर बन गया है। नए कलर्स के साथ मैच करते हुए इनर पैनल, सीट का नया रंग और पार्शल क्रोम मिरर इसे सड़क पर शानदार और आधुनिक लुक देते हैं। नया वैरिएंट रोजाना के आराम और सुविधा को और बेहतर बनाता है। इसमें राइडर और पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए इंटीग्रेटेड बैकरेस्ट वाली प्रीमियम लंबी सीट दी गई है। सेगमेंट में पहली बार सीक्वेंशियल टर्न सिग्नल लैंप (टीएसएल) भी दिए गए हैं, जो एक खास लाइटिंग सिग्नेचर के साथ विजिबिलिटी बढ़ाते हैं। साथ ही, राइड के दौरान आसान चार्जिंग के लिए यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट भी दिया गया है। इस स्कूटर में अब भी अपने वर्ग का सबसे ज्यादा 33-लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज मिलता है, जिसमें दो हेलमेट रखे जा सकते हैं।

### गोदरेज एग्रोवेट ने अनुश्री सिंह को नया चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (CHRO) नियुक्त किया

**मुंबई।** भारत के प्रमुख 'फार्म-टू-प्रोटीन' प्लेटफॉर्म्स में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज घोषणा की कि अनुश्री सिंह कंपनी में चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (उल्फ्ढ) के रूप में शामिल हो गई हैं। इस पद पर, अनुश्री कंपनी की 'पीपल स्ट्रेटजी' (कर्मचारी नीतियों और विकास) का नेतृत्व करेंगी। वह लीडरशिप टीम के साथ मिलकर संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने, प्रतिभाओं को निखारने और गोदरेज एग्रोवेट के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप एक भविष्य-उन्मुख व उच्च-प्रदर्शन वाला संगठन तैयार करने का काम करेंगी। लीडरशिप टीम में उनका स्वागत करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ सुनील कटारिया ने कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हमारा उद्देश्य नवाचार (इनोवेशन) के जरिए किसानों को सशक्त बनाना और देश का पोषण करना है। इस यात्रा में हमारे लोगों और नेतृत्व की क्षमताओं को मजबूत बनाए रखना हमेशा हमारी रणनीतिक प्राथमिकता रही है। अनुश्री के पास वर्क कल्चर निर्माण, संगठनात्मक उत्कृष्टता और कर्मचारियों के विकास से जुड़ा गहरा अनुभव है, और हम टीम में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। हमें विश्वास है कि उनका नेतृत्व हमारे विकास के अगले चरण को नई दिशा देगा। उनकी नियुक्ति गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के इस अटूट विश्वास को भी दशार्ती है कि मजबूत संगठनों के निर्माण और टिकाऊ मूल्य पैदा करने में कर्मचारी ही सबसे मजबूत आधार होते हैं।

# दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईस्ट जोन खिताब जीतने के करीब

## साउथ जोन के खिलाफ 584 रन की बढ़त बनाई, ईशान के 80 रन, सूर्यवंशी नहीं चले

**एजेंसी,** चेन्नई

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ 584 रन की बढ़त बना ली है। इसके साथ ही टीम ने खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। अगर मैच ड्रॉ होता है, तो भी पहली पारी की बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया जाएगा। मैच के चौथे दिन ईस्ट जोन ने साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर समेट दी। पहली पारी में 708 रन बनाने वाले ईस्ट जोन को 372 रन की बढ़त मिली। टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 5 विकेट पर 212 रन बना लिए हैं। पांचवे और आखिरी दिन का खेल गुरुवार को सुबह 9:30 बजे से मैच शुरू होगा।

### तिलक वर्मा 1 रन से शतक से चूके

इससे पहले साउथ जोन की टीम 336 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ईस्ट जोन के खिलाफ पहली पारी के आधार पर 372 रन से पिछड़ गई है। साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा सिर्फ 1 रन से शतक से चूक गए। तिलक को 99 रन पर ईस्ट जोन के एमडी कौनैन कुरैशी ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेजा। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार ने 3 और मोहम्मद शमी सहित तीन गेंदबाजों ने 2-2 विकेट लिए।

### ईशान किशन ने 80 रन बनाए, सूर्यवंशी नहीं चलें

पहली पारी में 270 रन की पारी खेलने वाले ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दूसरी पारी में भी 80 रन बनाए। एमडी निधीश की गेंद पर आउट होने से पहले उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। पहली पारी में 44 रन की पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। वे साउथ जोन के गेंदबाज त्रिपुरन विजय की गेंद पर स्टंप आउट हुए। उन्होंने 16 गेंद की पारी में एक चौका लगाया।

### पडिक्कल ने 62 रन की पारी खेली

मैच के तीसरे दिन बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरूआत खराब रही। टीम ने 10 रन के स्कोर पर रिकी भुई (1) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद नारायण जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। जगदीशन 32 रन बनाकरआउट हुए। पडिक्कल और शेख रशीद ने तीसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े। रशीद 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल 62 रन बनाकर आउट हुए।

### तिलक और श्रेयस गोपाल ने 66 रन की साझेदारी की

कप्तान तिलक वर्मा ने रविचंद्रन स्मरण (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े। तिलक और श्रेयस गोपाल (26) ने छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। दिन का खेल खत्म होने पर तिलक वर्मा 56 रन और चामा मिलिंद 2 रन बनाकर नाबाद हैं। ईस्ट जोन के लिए मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार ने 2-2 विकेट झटके। शिखर मोहन को एक विकेट मिला।

# इंग्लैंड के खिलाफ पाक 133 रन पर ऑलआउट

## 3 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके, बाबर 7 रन पर बोल्ड, टंग को 4 विकेट

**एजेंसी,** बर्मिंघम

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान की पहली पारी सिर्फ 133 रन पर सिमट गई। टीम के सिर्फ 3 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जोश टंग ने 4 विकेट लिए। एजबेस्टन में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी चुनी। पाकिस्तान की पारी सिर्फ 33.5 ओवर चली। जवाब में इंग्लैंड ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 39 ओवर में 156/4 रन बना लिए। उसे पाकिस्तान पर 23 रन की बढ़त मिल गई है। हैरी ब्रूक 52 और डैन लॉरेंस 5 रन बनाकर नाबाद हैं।

**एमिलियो और ब्रुक की फिफ्टी :** इंग्लैंड के लिए एमिलियो गे ने 60 रन बनाए। उन्होंने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की। गे 114 गेंदों पर 60 रन बनाकर रजाउल्लाह की गेंद पर आउट हुए। इससे पहले बेन डकेट 11 रन बनाकर मोहम्मद अली की गेंद पर बाबर आजम के हाथों कैच हुए। जॉर्डन कॉक्स 4 रन पर मोहम्मद अब्बास की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि जो रूट को रजाउल्लाह ने 8 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। दिन का खेल खत्म होने पर हैरी ब्रूक 52 और डैन लॉरेंस 5 रन बनाकर नाबाद थे। ब्रूक ने 76 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। रजाउल्लाह ने अपने डेब्यू टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट लिए। मोहम्मद अब्बास को 1 और मोहम्मद अली को 1 विकेट मिला।

# हार्दिक पंड्या 5 महीने बाद क्रिकेट में वापसी करेंगे

## इंडिया अ टीम में चुने गए, गायकवाड वनडे और पडिक्कल टेस्ट टीम के कप्तान

**एजेंसी,** नई दिल्ली

हार्दिक पंड्या करीब पांच महीने बाद क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। बुधवार को इउउक ने ऑस्ट्रेलिया-अ के लिए इंडिया-अ की टीम घोषित कर दी है। पंड्या को तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए चुना गया है। लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। ऋतुराज गायकवाड़ वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। देवदत्त पडिक्कल दो मल्टी-डे टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभालेंगे। साई सुदर्शन मल्टी-डे टीम के उपकप्तान होंगे। पडिक्कल वनडे टीम के उपकप्तान होंगे। हार्दिक पंड्या ने अपना आखिरी मैच 24 मई को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह चोट के कारण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी कर रहे हैं। भारत के लिए उनका आखिरी मुकाबला 8 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल था। भारत ने इस मैच में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। हार्दिक को नवंबर 2016 में कंधे में हेयरलाइन फ्रैक्चर। सितंबर 2018 में एशिया कप के दौरान लोअर-बैक इंजरी और अक्टूबर 2019 में इसी पुरानी समस्या के कारण उनकी पीठ की सर्जरी हुई थी।

# भारत आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप पर

## सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, तब से नंबर-1, न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर

**एजेंसी,** दुबई

भारतीय टीम ने आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 की पोजिशन बरकरार रखी है। ताजा रैंकिंग में उसके 116 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 109 रेटिंग के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची थी। टीम तब से यानी पिछले 35 महीने 18 दिन से टॉप पर बरकरार है।

**साउथ अफ्रीका चौथे, पाकिस्तान पांचवें पर :** साउथ अफ्रीका मौजूदा रैंकिंग में 102 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें और श्रीलंका 96 रेटिंग के साथ छठे नंबर पर है। इंग्लैंड 93 रेटिंग के साथ सातवें और अफगानिस्तान 92 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर है। बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज 10वें स्थान पर है।

**वनडे बल्लेबाजों में शुभमन गिल, टी-20 में ईशान किशन टॉप पर बरकरार :** आईसीसी बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 801 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर बरकरार हैं। विराट कोहली (767 रेटिंग) तीसरे और रोहित शर्मा (758 रेटिंग) चौथे स्थान पर हैं। वहीं टी-20 रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पहले स्थान पर बरकरार हैं। अभिषेक शर्मा (तीसरे स्थान) और तिलक वर्मा (सातवें स्थान) पर है।

### पहली बार धोनी की कप्तानी में नंबर-1 बने

भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2013 में एमएस. धोनी की कप्तानी में पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 टीम बनी थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था।

# गर्भवती महिला की मौत पर हंगामा, पति ने ससुराल वालों पर लगाए गंभीर आरोप

## पति ने 5 लाख रुपए लूटने और प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

**युग प्रदेश,** मुरैना

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के दाऊजी मंदिर इलाके में रहने वाले रवि परमार की पत्नी सोनम की डिलीवरी के दौरान आगरा में मौत हो गई। महिला की गंभीर हालत के बाद उसे उपचार के लिए ग्वालियर और फिर आगरा रेफर किया गया था। घटना के बाद अस्पताल के बाहर परिजनों और लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन विलाप करते नजर आए। वहीं, मृतका के पति ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

**गंभीर हालत में अस्पताल पहुंची थी महिला :** सिविल लाइन थाना प्रभारी उदयभान सिंह के अनुसार, गर्भवती सोनम पत्नी रवि परमार को बुधवार सुबह राठी हॉस्पिटल लाया गया था। यहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। परिजन उसे गंभीर हालत में ग्वालियर लेकर गए, जहां से उपचार के लिए आगरा और दिल्ली रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई। इसी दौरान आगरा में सोनम की मौत हो गई।

### पति ने लगाए प्रताड़ना और रुपए लूटने के आरोप

मृतका के पति रवि परमार का आरोप है कि उसके ससुराल वालों ने सोनम को प्रताड़ित किया और उससे 5 लाख रुपए लूट लिए। रवि का कहना है कि इसी प्रताड़ना के कारण उसकी पत्नी की मौत हुई है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश का माहौल बन गया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी।

### पुलिस बोली- आरोपों की जांच की जाएगी

थाना प्रभारी उदयभान सिंह ने बताया कि मृतका के पति और परिजनों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों और लगाए गए आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

# नवोदय विद्यालय हटा में दो दिवसीय कला उत्सव का शुभारंभ

**युग प्रदेश,** हटा

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में दो दिवसीय कला उत्सव कार्यक्रम का आज विधिवत शुभारंभ हुआ। नवोदय विद्यालय समिति के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के अंतर्गत आने वाले 12 जवाहर नवोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने इसमें सहभागिता की। कला उत्सव में भोपाल, नरसिंहपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, अलीराजपुर, इंदौर, देवास, बुरहानपुर, पन्ना, बड़वानी और छिंदवाड़ा के नवोदय विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान तीन विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें एकल नृत्य, छोटे क्षेत्रीय क्लासिकल नृत्य तथा समूह क्लासिकल नृत्य शामिल रहे। विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 229 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के लिए दमोह से नृत्य कला में दक्ष एवं पारंगत निर्णायकों को आमंत्रित किया गया था। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों में नृत्य की तकनीक, भाव भंगिमा, ताल लय और प्रस्तुति कौशल सहित विभिन्न पक्षों का मूल्यांकन किया। कला उत्सव के दूसरे दिन विद्यालय में थिएटर एवं नाटक का मंचन किया जाएगा जिसमें प्रतिभागी अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय के मुखिया आशीष शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ-साथ कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करना उनके सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

# सेमई चौराहे पर युवक को लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, थाने पहुंचा पीड़ित

## पीड़ित ने परिजनों के साथ पहुंचकर पुलिस से की शिकायत

**युग प्रदेश,** मुरैना

थाना कैलारस क्षेत्र के सेमई चौराहे पर बुधवार सुबह एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना सुबह करीब 6 बजे पोहा के ठेले के पास की बताई जा रही है। मारपीट में घायल युवक अपने परिजनों के साथ थाना कैलारस पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेमई निवासी कुलदीप गौड़ (21) पुत्र घनश्याम गौड़ सुबह के समय सेमई चौराहे पर मौजूद था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ कथित रूप से लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसे दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना के दौरान मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मारपीट की घटना के बाद कुलदीप गौड़ अपने परिजनों के साथ थाना कैलारस पहुंचा। यहां उसने पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

# माटी गणेश से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, हिरदेपुर में प्रशिक्षण आयोजित

**युग प्रदेश,** दमोह

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा शासकीय हाई स्कूल हिरदेपुर में माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण में मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण की प्रक्रिया, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों एवं समिति सदस्यों को पर्यावरण अनुकूल गणेश उत्सव मनाने और समाज में मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं के उपयोग के लिए लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। जिला समन्वयक श्री सुशील नामदेव ने कहा कि गणेश उत्सव हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़ा पर्व है। हमें अपनी धार्मिक परंपराओं के साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करने से जल स्रोतों में प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचेगा। उन्होंने सभी नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, परामर्शदाताओं एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वे माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण अनुकूल गणेश उत्सव के लिए प्रेरित करें।

## संक्षिप्त समाचार

### ढोलियाखेड़ा में घरों पर झूल रही बिजली की लाइनें हादसे का खतरा

**हटा।** तहसील मुख्यालय से सटे ढोलियाखेड़ा में बिजली विभाग की अनदेखी लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के केबल घरों के ऊपर झूल रहे हैं। वहीं कुछ जगहों पर विद्युत लाइनें जमीन से महज 3 से 6 फीट की ऊंचाई पर लटक रही हैं। इससे रहवासियों के बीच करंट लगने और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से बिजली लाइनों का उचित मेंटेनेंस नहीं होने के कारण कई केबल क्षतिग्रस्त होकर नीचे झूल गए हैं। कुछ स्थानों पर ये केबल घरों की दीवारों के बेहद करीब हैं। लोगों का कहना है कि लाइनमैन और बिजली विभाग के कर्मचारियों को कई बार समस्या से अवगत कराने के साथ शिकायत भी की गई लेकिन अभी तक आवश्यक सुधार नहीं हो सका है। रहवासियों ने बताया कि तेज हवा और आंधी के दौरान झूलती हुई केबल घरों की दीवारों से टकराने लगती हैं। ऐसे में बिजली के तार टूटने या करंट फैलने की आशंका बनी रहती है। घरों के आसपास कम ऊंचाई पर लटक रही विद्युत लाइनें बच्चों और राहगीरों के लिए भी खतरा बनी हुई हैं। लोगों ने विभाग से तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त केबलों को दुरुस्त कराने और उन्हें सुरक्षित ऊंचाई पर लगाने की मांग की है।

### छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस की बैठक संपन्न

**मुरैना।** जिला कांग्रेस कार्यालय न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर पश्चिम की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर चर्चा कर कार्यकताओं को अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं का पंजीयन कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मधुराज तोमर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र सिंधी और ब्लॉक अध्यक्ष रिंकू पचौरी ने कार्यकताओं से कार्यक्रम में अधिक संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। विद्यार्थियों के आने-जाने की व्यवस्था कांग्रेस द्वारा किए जाने की बात कही गई। बैठक में शहर की जलभराव, बिजली कटौती और अवैध शराब बिक्री जैसी समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

### आवासीय क्षेत्रो में व्यवसायिक गतिविधियों के संचालन का मामला

# आवासीय भूखण्डों पर मॉल-होटल चलाने वालों को हाईकोर्ट की दो टूक 7 दिन में अनुमति दिखायें अन्यथा कार्रवाई के लिए निगम स्वतंत्र

**युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल**

भोपाल के आवासीय क्षेत्रों में नियमों के विपरीत संचालित हो रही व्यावसायिक गतिविधियों के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में हुई सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने संबंधित पक्ष को निर्देशित किया कि यदि उसके पास आवासीय भूखण्ड पर मॉल, होटल अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधि संचालित करने की वैधानिक अनुमति है तो वह 7 दिवस के भीतर उसके समस्त दस्तावेज भोपाल नगर निगम के समक्ष प्रस्तुत करे।

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि संबंधित पक्ष निर्धारित अवधि में वैधानिक अनुमति प्रस्तुत नहीं करता है तो भोपाल नगर निगम सर्वोच्च न्यायालय के वर्ष 2024 के राजेन्द्र कुमार बड़जात्या प्रकरण में दिए गए आदेशों के अनुपालन में नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। इस आदेश के बाद अब उन लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं जो आवासीय भूखण्डों पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं और वर्षों से नियमों एवं आपत्तियों को नजरअंदाज करते आ रहे हैं।

## विवेक त्रिपाठी ने कहा—अब अनुमति के नाम पर बहाने नहीं चलेंगे

याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि यह आदेश भोपाल के आवासीय क्षेत्रों को बचाने की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्षों से आवासीय भूखण्डों पर मॉल, होटल और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी आंखें बंद किए बैठे हैं। अब न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि वैधानिक अनुमति है तो उसे सामने रखिए, अन्यथा कानून के अनुसार कार्रवाई का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि अब भोपाल नगर निगम की असली परीक्षा है। निगम को यह साबित करना होगा कि वह आम रहवासियों के लिए भी कानून लागू करता है या फिर प्रभावशाली लोगों के अवैध व्यावसायिक हितों की रक्षा करता रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद किसी भी अधिकारी के पास कार्रवाई से बचने का बहाना नहीं होना चाहिए।

## लवनीश भाटी बोले—रहवासी वर्षों से झेल रहे हैं परेशानी

रहवासी लवनीश भाटी ने कहा कि आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों का सीधा असर वहां रहने वाले परिवारों पर पड़ता है। ट्रैफिक, पार्किंग, शोर, सुरक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं पर दबाव जैसी समस्याएं रहवासी वर्षों से झेल रहे हैं। इसके बावजूद शिकायत करने वाले नागरिकों की सुनवाई नहीं होती। अब न्यायालय ने 7 दिन की समयसीमा में वैधानिक अनुमति प्रस्तुत करने की बात स्पष्ट कर दी है। यदि अनुमति है तो सामने लाई जाए और यदि नहीं है तो सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार कार्रवाई हो। रहवासियों को अब केवल आश्वासन नहीं, जमीन पर कार्रवाई चाहिए।

## संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति की चेतावनी

संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति ने कहा कि आवासीय भूखण्डों को व्यावसायिक उपयोग में बदलकर नियमों की अनदेखी करने की प्रवृत्ति को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समिति ने भोपाल नगर निगम से मांग की है कि न्यायालय के निर्देश के अनुरूप संबंधित पक्षों से दस्तावेज प्राप्त कर उनकी वैधानिकता की जांच की जाए और जहां आवश्यक वैधानिक अनुमति उपलब्ध न हो वहां सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं लागू नियमों के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। समिति ने कहा कि अब मामला केवल किसी एक भवन या प्रतिष्ठान का नहीं है बल्कि पूरे भोपाल को बचाने का है साथ ही नागरिक अधिकारों और न्यायालय के आदेशों के सम्मान का है। हम माननीय न्यायालय के आदेश का स्वागत करते है।

### सस्ती दवाओं का इंतजार...

## भोपाल रेलवे स्टेशन पर नहीं खुल पाया जन-औषधि केंद्र

**भोपाल।** आम यात्रियों और आसपास के लोगों को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं बेहद सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित प्रधानमंत्री जन-औषधि केंद्र अब तक शुरू नहीं हो पाया है। रेलवे ने प्लेटफार्म नंबर-1 की ओर नई बिल्डिंग के सामने इसके लिए स्थान तय किया था। यहां दुकान का ढांचा भी तैयार कर दिया गया है, लेकिन केंद्र संचालित नहीं होने के कारण यह जगह अब गंदगी और बदबू का अड्डा बन गई है। यात्रियों ने यहां मूत्रालय बना दिया है, जिससे आसपास का माहौल खराब हो रहा है। इसके बावजूद रेलवे की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रेलवे की योजना के तहत भारतीय जन-औषधि परियोजना के माध्यम से स्टेशनों पर जन-औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सफर के दौरान जरूरत पड़ने पर आसानी से दवाएं उपलब्ध कराना और आम लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं मुहैया कराना है। इसी योजना के तहत बीना के बाद भोपाल रेलवे स्टेशन पर भी जन-औषधि केंद्र खोला जाना था।

## रोलिंग बजट से अगले दो साल की भी तैयारी

**भोपाल।** 2027-28 का बजट सिर्फ एक साल के खर्च का दस्तावेज नहीं होगा। रोलिंग बजट व्यवस्था के तहत इसके साथ अगले दो वित्तीय वर्षों की जरूरतों को भी ध्यान में रखा जाएगा। यानी किसी योजना को शुरू करने से पहले उसका आने वाले वर्षों में वित्तीय बोझ भी देखा जाएगा। वित्त विभाग के अनुसार 2026-27 का बजट भी इसी आधार पर तैयार किया गया था। अब 2027-28 का बजट 2028-29 और 2029-30 की वित्तीय योजना का आधार बनेगा। सरकार बजट में पर्यावरण से जुड़े खर्च को अलग पहचान देने की तैयारी भी कर रही है। विभिन्न विभागों में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित योजनाओं और बजट प्रावधानों को एक जगह लाकर ग्रीन बजट के लिए अलग हेड बनाने पर काम चल रहा है।

## ब्रीफ न्यूज

### नियुक्ति की मांग को लेकर फार्मासिस्टों की भूख हड़ताल

**भोपाल।** फार्मासिस्ट ग्रेड-2 भर्ती परीक्षा 2023 में चयनित अभ्यर्थियों द्वारा लंबित नियुक्ति की मांग को लेकर जेपी अस्पताल परिसर स्थिति स्वास्थ्य संचालनालय कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल जारी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से शांतिपूर्ण हड़ताल के बावजूद शासन की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। इसके चलते अब अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांग भर्ती परीक्षा 2023 में चयनित सभी फार्मासिस्ट ग्रेड-2 को तत्काल नियुक्ति देने की है। अभ्यर्थियों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर नियुक्ति प्रक्रिया में मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ज्ञापन दिए पर सुनवाई नहीं हुई।

### नर्सिंग कालेजों की मान्यता के विरोध में 32वें दिन धरना

**भोपाल।** नर्सिंग कालेजों को सत्र 2026-27 की मान्यता देने के विरोध में एनएसओ छात्र संगठन का नर्सिंग काउंसिल कार्यालय के सामने धरना मंगलवार को 32वें दिन भी जारी रहा। संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने आरोप लगाया कि पुराने सत्रों के विद्यार्थियों की परीक्षा, रिजल्ट और छात्रवृत्ति की समस्याओं का समाधान किए बिना नए कालेजों को मान्यता दी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि मान्यता के लिए जमा आवेदनों में कुछ कालेजों में सरकारी सेवा में कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों के दस्तावेज लगाए गए हैं। संगठन ने इसकी जांच और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई की मांग की।

### पति की आंखों में एसिड फेंकने वाली पत्नी को 10 साल की कैद

**भोपाल।** भोपाल कोर्ट ने घरेलू विवाद में पति के चेहरे और आंखों पर एसिड फेंकने वाली पत्नी ज्योति सिंह को 10 साल की सजा सुनाई। फैसला तर्ज 22वें अपर सत्र न्यायाधीश मयंक कुमार शुक्ल ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे गंभीर में अपराध में अनुचित सहानुभूति कानून की प्रभावकारिता और जनता के विश्वास को कमजोर करेगी। मामला निशातपुरा के कमल नगर का 4 अक्टूबर 2023 का है। एक दिन पहले रवि सिंह ने अपने बच्चे को पढ़ाई के लिए समझाया और पत्नी ज्योति से कहा कि वह बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रही है। इसी के बात पर विवाद हुआ। अगले दिन और ज्योति ने रवि पर एसिड फेंका और मोगरी से सिर पर वार किए।

### 31 दिसंबर से पहले होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा, सिर्फ एक ही मौका

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर लोक शिक्षण संचालनाय (डीपीआइ) आयुक्त ने मंगलवार को शिक्षक संगठनों के साथ बैठक कर स्थिति स्पष्ट की। आयुक्त अभिषेक सिंह ने शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा में कहा कि इस साल विभाग शिक्षकों की पात्रता परीक्षा एक ही बार करा पाएगा और इसे 31 दिसंबर से पहले आयोजित कराने की तैयारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा में शामिल होने से किसी ने शिक्षक की वरिष्ठता पर कोई असर में नहीं पड़ेगा। परीक्षा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में हो रही है। बैठक में संगठनों पदाधिकारियों को बताया गया कि कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने आफलाइन परीक्षा कराने में असमर्थता जताई है। इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग अब किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से आफलाइन । परीक्षा कराने के विकल्प पर विचार कर रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के माध्यम से परीक्षा कराने की संभावना भी है, हालांकि अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। आयुक्त ने कहा कि परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे। किस वर्ग और पद के शिक्षकों को परीक्षा में शामिल होना है और किन्हें छूट मिलेगी, इसकी जानकारी भी दी जाएगी।

### बोर्ड पैटर्न : 9 से 12वीं तक की तिमाही परीक्षा

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग की कक्षा 9वीं से 12वीं तक की तिमाही हैं। प्रदेशभर परीक्षाएं शुरू हो चुकी है। में 24 लाख विद्यार्थी इन परीक्षाओं में शामिल हो रहे है। परीक्षाएं 17 सितंबर तक चलेंगी और इन्हें बोर्ड पैटर्न पर आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की तैयारी और विषयवार समझ का शुरूआती स्तर पर आकलन करना है। कक्षा 9वीं और 10वीं की परीक्षाएं सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक, जबकि 11वीं और 12वीं की परीक्षाएं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक हो रही है। बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा होने से विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र हल करने, समय प्रबंधन और लिखित उत्तर देने का अभ्यास भी मिलेगा। परीक्षा का सबसे अहम पहलू रिजल्ट के बाद शुरू होने वाली सुधारात्मक पढ़ाई होगी।

### कलियासोत-केरवा डैम किनारे होटल, रेस्टोरेंट-बार मिले

# एनजीटी की गठित टीम सर्वे के लिए पहुंची फिश फार्म एफटीएल से 10 फीट दूर ही मिला

**युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल**

नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल के आदेश पर बनी कमेटी के आज के सर्वे के दौरान भोपाल के कलियासोत और केरवा डैम किनारे वाल्मी के सामने स्थित मोटल शिराज की संपत्ति मिली। उसके साथ ही वहां पर एक फिश फार्म तो डैम के एफटीएल यानी, फुल टैंक लेवल से सिर्फ 10 फीट दूर ही मिला। टीम ने सबसे पहले निचले क्षेत्र में मौजूद मुनारों की स्थिति और मौके पर पानी के वास्तविक स्तर की जांच की। इसके बाद राजेश वाधवानी की संपत्ति के क्षेत्र में जाकर पानी के पीछे स्थित मुनारों और एफटीएल से उनके संबंध की स्थिति का जायजा लिया।

**खुदागंज में पानी आगे मुनारें पीछे :** इसके बाद टीम वार्ड क्रमांक 26, ग्राम खुदागंज पहुंची। यहां कई स्थानों पर जलस्तर मुनारों की सीमा से काफी आगे तक पहुंचा हुआ दिखाई दिया। सर्वे के दौरान दर्जनों रेस्टोरेंट और अन्य निर्माण पानी की सीमा से बिल्कुल सटे हुए पाए गए।

**कलियासोत तालाब के अंदर सड़क निर्माण और प्लॉटिंग पर सवाल :** सर्वे के दौरान सबसे गंभीर मामला कलियासोत तालाब क्षेत्र में सामने आया। आरोप है कि तालाब के जलभराव क्षेत्र के अंदर से ही सड़क का निर्माण कर दिया गया है। इसके अलावा प्रभावशाली लोगों से जुड़े बड़े रेस्टोरेंट और व्यावसायिक निर्माण तालाब की सीमा के भीतर या बेहद करीब पाए गए।

कई स्थानों पर प्लॉटिंग के लिए मुनारें गाड़कर पानी के प्राकृतिक बहाव और जलभराव के रास्ते को बाधित करने की बात भी सामने आई है। इसके बाद टीम केरवा क्षेत्र के लिए रवाना हुई। वहां जाकर समिति के सदस्यों और अधिकारियों को अवगत कराया गया कि वर्तमान में केरवा डैम के एफटीएल पर पानी उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण इस क्षेत्र में फिलहाल ग्राउंड ट्रूथिंग और सर्वे की प्रक्रिया नहीं की जा सकती।

### 15 सितंबर को एनजीटी के समक्ष पेश होगी रिपोर्ट

गौर तलब है कि केरवा नदी तथा डैम से जुड़े तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं की रिपोर्ट आगामी 15 सितंबर को एजनीटी के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद अदालत से मिलने वाले स्पष्ट निदेर्शों के आधार पर ही केरवा क्षेत्र में आगे की ग्राउंड ट्रुथिंग और जांच की प्रक्रिया तय की जाएगी।

### बारिश से हुए गड्ढों को भरने का काम जारी

## सीएंडडी वेस्ट, जीएसबी और मुरम से सड़कों का समतलीकरण

**युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल**

नगर निगम द्वारा बारिश के कारण मुख्य मार्गों सहित शहर की विभिन्न सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने और समतलीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर यांत्रिक विभाग का अमला विभिन्न जोन क्षेत्रों में निरीक्षण कर नागरिकों को आवागमन में राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रहा है। बुधवार को जोन क्रमांक-2 के ईदगाह हिल्स, प्रभु नगर और पीरगेट से चौकी इमामवाड़ा रोड तक करीब 30 गड्ढों को 2 घन मीटर सीएंडडी वेस्ट और 3 घन मीटर मुरम से भरकर समतल किया गया। जोन क्रमांक-3 के सनराइज कॉलोनी, ईदगाह हिल्स क्षेत्र में 4.10 घन मीटर सीएंडडी वेस्ट से 10 गड्ढे भरे गए। इसी तरह जोन क्रमांक-18 के वार्ड क्रमांक-83 स्थित सलैया मुख्य मार्ग पर

जीएसबी मटेरियल से गड्ढों को भरने और समतलीकरण का कार्य किया गया। जोन क्रमांक-30 के वार्ड क्रमांक-26 के शिव विहार कॉलोनी, नीलबड़ क्षेत्र में 2.82 घन मीटर सीएंडडी वेस्ट का उपयोग कर करीब 15 मीटर लंबाई वाले सड़क हिस्से पर गड्ढे भरे गए। निगम द्वारा प्रमुख मार्गों के साथ अन्य सड़कों पर भी गड्ढों को प्राथमिकता से भरने की कार्रवाई जारी है, जिससे नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिल रही है।

## ट्रांसफर से पहले आयुक्त ने बदली अफसरों की जिम्मेदारियां

### पोषण आहार विंग में लंबे समय से जमे अधिकारियों का काम बदला

**युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल**

महिला एवं बाल विकास विभाग में आयुक्त निधि निवेदिता के तबादले से ठीक पहले अधिकारियों की कार्यप्रोफाइल में बड़ा बदलाव किया गया है। लंबे समय से पोषण आहार का काम संभाल रहे संयुक्त संचालक अक्षय श्रीवास्तव की जिम्मेदारी बदलकर यह काम संयुक्त संचालक स्वर्णिमा शुक्ला को सौंपा गया है। इसके साथ ही कई अन्य अधिकारियों के काम में भी फेरबदल किया गया है। कार्यविभाजन को लेकर महिला एवं बाल विकास अधिकारी संघ ने सवाल उठाए हैं। संघ ने आरोप लगाया है कि आयुक्त के तबादले से पहले इस तरह अधिकारियों के काम बदलना सामान्य प्रक्रिया नहीं है। संघ के अध्यक्ष सुरेश तोमर का कहना है कि आदेश 3 सितंबर का बताया जा रहा है, जबकि आयुक्त का तबादला हो चुका है। ऐसे में आदेश की टाइमिंग को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**कई दिन से चल रही थी कवायद :** विभाग के दूसरे अधिकारियों का कहना है कि कार्यविभाजन की प्रक्रिया अगस्त के अंतिम सप्ताह से चल रही थी। इसलिए इसे बैक डेट में जारी किया गया आदेश नहीं माना जाना चाहिए। अधिकारियों के मुताबिक कुछ अधिकारी अपेक्षित तरीके से काम नहीं कर रहे थे, इसलिए उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया। नए कार्यविभाजन में उप संचालक हरीश खरे को स्थापना का काम सौंपा गया है। खास बात यह है कि उनके अधीन तीन उप संचालक आशीष सिंह, मनोज अहिरवार और राजीव खरे को रखा गया है। इसी व्यवस्था को लेकर भी अधिकारी संघ ने आपत्ति दर्ज कराई है।

**पोषण आहार में लंबे समय से एक ही चेहरा :** पोषण आहार विंग में लंबे समय से अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर भी बदलाव किया गया है। अक्षय श्रीवास्तव वर्ष 2009 से 2017 तक पोषण आहार का काम देख चुके हैं। इसके बाद वर्तमान में करीब डेढ़ साल से वे फिर इसी जिम्मेदारी में थे। अब उनसे यह काम लेकर स्वर्णिमा शुक्ला को सौंप दिया गया है। इससे पहले वर्ष 2003 से 2008 तक पोषण आहार का काम रविंद्र सिंह रघुवंशी के पास था। वे वर्तमान में महिला वित्त एवं विकास निगम में पदस्थ हैं।

**81 अफसरों को नोटिस, कामकाज पर कार्रवाई :** आयुक्त निधि निवेदिता के कार्यकाल में विभागीय कामकाज को लेकर भी सख्ती दिखाई गई। विभाग में ठीक से काम नहीं करने वाले 81 अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए। इनमें प्रोजेक्ट डायरेक्टर, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी और ऑब्जर्वर स्तर के अधिकारी शामिल हैं। विभागीय स्तर पर इसे कामकाज में सुधार लाने की कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं अधिकारी संघ का कहना है कि कार्यविभाजन और कार्रवाई से जुड़े फैसलों की प्रक्रिया और समय को लेकर पारदर्शिता जरूरी है।

**जवाहर बाल भवन में भी बदलाव :** कार्यविभाजन के दौरान जवाहर बाल भवन को लेकर भी बदलाव किया गया है। संचालनालय में संयुक्त संचालक राजेश प्रताप सिंह को जवाहर बाल भवन का संचालक बनाया गया है। वहीं मौजूदा संचालक ऊषा सिंह सोलंकी को तत्काल प्रभाव से संचालनालय में काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बदलाव पर भी अधिकारी संघ ने सवाल उठाए हैं। संघ का कहना है कि एक साथ कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में बदलाव किए जाने से विभाग में नए विवाद खड़े हो सकते हैं।

# 50 से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा, युवाओं को दे रहे वस्त्र निर्माण का प्रशिक्षण

### आईटीआई प्रशिक्षण से अरविंद बने सफल उद्यमी

**युग प्रदेश संवाददाता, भोपाल**

आईटीआई भोपाल के पूर्व प्रशिक्षु अरविंद नामदेव ने कौशल, मेहनत और नवाचार के दम पर कारीगर से सफल उद्यमी बनने की प्रेरणादायक मिसाल कायम की है। वे हैंडलूम और वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में पहचान बनाने के साथ युवाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं और 50 से अधिक वंचित वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ चुके हैं। अरविंद ने कटिंग-टेलरिंग का कार्य अपने पिता से सीखा और तकनीकी ज्ञान के लिए वर्ष 2016 में आईटीआई भोपाल के सिलाई टेक्नोलॉजी ट्रेड में

प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षक स्मृति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन से उन्होंने नौकरी के बजाय उद्यमिता को चुना। छोटे स्तर पर सिलाई और बुटीक का कार्य शुरू करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल में अतिथि संकाय के रूप में भी सेवाएं दीं। वर्ष 2024 में उन्होंने बुनकरों को संगठित कर 'एन-प्रियांस हैंडलूम प्रोड्यूसर प्राइवेट लिमिटेड' की स्थापना की। बुनकर सेवा केंद्र, इंदौर से 13 लाख रुपये की अनुदान सहायता मिलने के बाद कॉटन, खादी कॉटन सहित विभिन्न हैंडलूम उत्पादों का उत्पादन शुरू किया। वर्ष 2025 में हैंडलूम प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र के लिए चरखे, मशीनों और कच्चे माल हेतु 60 लाख रुपये की सहायता भी प्राप्त हुई। संस्था में कुर्ता-पायजामा, जैकेट, कुर्ती, पैंट, टॉप, साड़ी, कांथा वर्क, हस्तनिर्मित खिलौने सहित विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। वर्तमान में 50 से अधिक महिलाएं इससे जुड़कर स्वरोजगार प्राप्त कर रही हैं। उत्कृष्ट उत्पादों के कारण उन्हें दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, गोवा और गुवाहाटी में प्रदर्शनियों में भाग लेने का अवसर मिला। वर्ष 2025 और 2026 में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर उन्हें सम्मानित भी किया गया। वर्तमान में वे आईटीआई भोपाल, निफ्ट, एनआईडी, क्रिस्प और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों को टेक्सटाइल वीविंग का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

स्वात्वधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक (स्वामी) भरत मेंघानी द्वारा युग प्रदेश के लिए जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इंनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं एफ-1 सतगुरु कॉम्पलेक्स मिनी मार्केट चौराहा बैरागढ़ भोपाल 462030 से प्रकाशित। संपादक- भरत मेंघानी*, स्थानीय संपादक- हरीश मेंघानी* समाचार पत्र में समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। डाक पंजीयन क्रमांक/एम.पी./भोपाल/1027/2022-2024 दूरभाषः ऑफिस नंबरः 0755-4030794 , 4262251 विज्ञापन- 9907078884 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) टी-9, 4 फ्लोर मल्टी लेवल पार्किंग न्यू मार्केट भोपाल Email:yugpradeshnews@gmail.com